

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



एसपी ने शुक्रवार साप्ताहिक परेड की ली सलामी... पेज: 6

आठ साल तक नहीं पी एक बूंद पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 220 | शनिवार 14 नवम्बर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

मणिपुर में बड़ा हमला : दो वाहनों पर अंधाधुंध गोलीबारी, दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। शुक्रवार को उखरुल जिले में संदिग्ध उग्रवादियों ने दो चारपहिया वाहनों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस हमले में दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हुई। पुलिस ने घटना की पुष्टि कर मामले की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह वारदात इंफाल-उखरुल सड़क पर स्थित न्यू हेवन इलाके में हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हथियारबंद संदिग्ध उग्रवादियों ने दो वाहनों पर गोलियां चलाईं। दोनों गाड़ियों में सवार दो पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। हमले के बाद वाहनों की विंडशील्ड पर गोलियों के निशान मिले हैं। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इससे एक दिन पहले गुरुवार को भी मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गोलीबारी की घटना हुई थी। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, तापहोउ कुकी गांव और पड़ोसी सेनापति जिले के कैलेन्गजांग के बीच सुबह करीब 11 बजे दो संदिग्ध विद्रोही गुटों के बीच गोलीबारी हुई थी। इस दौरान खेत में काम कर रही 43 वर्षीय कुकी महिला चोंगलोई की गोली लगने से मौत हो गई थी। उनका शव खेत से बरामद किया गया था। घटना में दो अन्य पुरुष एस. डेविड चोंगलोई (34) और लमखोचोन चोंगलोई (46) भी घायल हुए थे। दोनों को कांगपोकपी जिले के अस्पताल में भर्ती कराया गया। लगातार दो दिनों में हुई गोलीबारी की इन घटनाओं से मणिपुर में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंता बढ़ गई है।

छठ पर्व : देहरादून स्टेशन पर यात्रियों की भगदड़

देहरादून, एजेंसी। छठ पर्व के मौके पर, देहरादून रेलवे स्टेशन पर पूर्वांचल के यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे गोरखपुर जाने वाली रप्ती गंगा एक्सप्रेस में सीट पाने को लेकर भगदड़ और अफरा-तफरी मच गई। करीब 2:15 बजे जैसे ही दून से गोरखपुर जाने वाली रप्ती गंगा एक्सप्रेस स्टेशन में दाखिल हुई, पूर्वांचल व बिहार के यात्रियों में अपनी जगह बनाने की होड़ शुरू हो गई। हर कोई सीट पाने के लिए डिब्बों की ओर बेतहाशा दौड़ पड़ा, जिससे प्लेटफार्म पर धक्का-मुक्की और अव्यवस्था का माहौल बन गया। ट्रेन के जनरल कोच में चढ़ने के लिए यात्रियों में भारी आपाधापी मच गई। भीड़ इतनी अनियंत्रित थी कि सुरक्षा के लिहाज से तैनात आरपीएफ और जीआरपी पुलिस को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। अनियंत्रित जनसैलाब को काबू करने में जवानों के पसीने छूट गए, क्योंकि स्टेशन का हर कोना भीड़ और भगदड़ में तब्दील हो गया था। सीट पाने की इस आपाधापी में यात्रियों ने कोच की खिड़कियों से भी अंदर घुसने में परहेज नहीं किया, हर कोई किसी भी तरह ट्रेन में प्रवेश पाने की जद्दोजहद में लगा था। सुरक्षाकर्मियों ने लगातार दौड़ते हुए यात्रियों को भगदड़ व किसी संभावित घटना से बचाने का प्रयास किया। कई महिलाओं और युवतियों को यात्रियों के बीच फंसे देख जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित कोच व सीटों तक पहुंचाया। देखते ही देखते ट्रेन के सभी डिब्बे पूरी तरह से यात्रियों से खचाखच भर गए। इस भारी भीड़ और अफरा-तफरी के बावजूद, रप्ती गंगा एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय करीब 3:15 बजे देहरादून से गोरखपुर के लिए रवाना हुई।

जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी, गुलमर्ग-सोनमर्ग में बिछी सफेद चादर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले 24 घंटों में जबरदस्त बर्फबारी हुई। गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट और सोनमर्ग के पर्यटक स्थल पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई, जिससे वहां आए पर्यटक काफी उत्साहित नजर आए। हालांकि, ताजा बर्फबारी के कारण कई पहाड़ी दर्रे बंद हो गए हैं। श्रीनगर-लेह हाईवे, मुगल रोड पर पीर की गली, किश्तवाड़ जिले की ओर जाने वाला सिंथन दर्रा, गुरेज सीमावर्ती कस्बे की ओर जाने वाला राजदान दर्रा और तंगधार व करनाह की ओर जाने वाला साधना टॉप बर्फ से ढक गए हैं और वहां आवागमन मुश्किल हो गया है।

सेवा कोई पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है : मोहन भागवत

नई दिल्ली , एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि सेवा कोई पेशा या आजीविका कमाने का माध्यम मात्र नहीं है, बल्कि समाज के प्रति प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। करुणा, संवेदनशीलता और मानवता ही एक स्वस्थ समाज की वास्तविक बुनियाद हैं। लोगों को बिना किसी स्वार्थ और अपेक्षा के जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए। संघ प्रमुख भागवत ने यह बात शुक्रवार को डॉ. संजय पैठणकर को विदर्भ गौरव पुरस्कार प्रदान करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति से हमारा व्यक्तिगत संबंध हो या न हो, यदि वह किसी परेशानी या दुख में है, तब उसकी मदद के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। ऐसा करते समय यह भावना नहीं होनी चाहिए कि हम कोई असाधारण काम कर रहे हैं। दूसरों के दुख को समझना और उस दुख को दूर करने का प्रयास करना ही सच्ची मानवता है।

संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि समाज केवल आर्थिक समृद्धि से मजबूत नहीं बनता, बल्कि उसके अस्तित्व का आधार आपसी संवेदनशीलता और करुणा है। जब तक लोगों में दूसरों के प्रति सहानुभूति और सहयोग की भावना बनी रहेगी, तब तक समाज मजबूत बना रहेगा। संवेदनशीलता समाप्त होने का अर्थ मानवता का कमजोर होना है। पुरस्कारों के महत्व पर उन्होंने कहा कि समाजसेवा करने वाले लोग सम्मान या पुरस्कार पाने की इच्छा से काम नहीं करते। पुरस्कार उनके योगदान को सम्मानित करने और उनके कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए दिए जाते हैं। ऐसे सम्मान समाज के अन्य लोगों को भी अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने धर्म की अवधारणा को मानवता और भाईचारे से जोड़ते हुए कहा कि सत्य, करुणा, पवित्रता और आत्मसंयम इसके मूल गुण हैं। मानवता और आपसी सद्भाव ही धर्म का वास्तविक स्वरूप है। इस दौरान भागवत ने गुरु और शिष्य का प्रसंग भी सुनाया। उन्होंने बताया कि गुरु ने शिष्य को ऐसी जगह जाकर फल खाने को कहा, जहां शिख्य को कोई देख न सके। शिष्य बिना फल खाए लौट आया, क्योंकि उसके अनुसार ऐसी कोई जगह नहीं थी, जहां ईश्वर मौजूद न हों। भागवत ने कहा कि जब व्यक्ति दूसरों में भी ईश्वर का स्वरूप देखता है, तब उसके भीतर स्वाभाविक रूप से प्रेम, करुणा और निस्वार्थ सेवा की भावना विकसित होती है।

तेलंगाना में सरकारी इंजीनियर निकला कुबेर, एसीबी को मिली करोड़ों की दौलत

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में सरकारी इंजीनियर के ठिकानों पर एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की छापेमारी में मिली संपत्तियों ने सभी को चौंका दिया है। राज्य सिंचाई विभाग के डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राघिरी सत्यनारायण के 10 ठिकानों पर हुई कार्रवाई में करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ है। एसीबी को हैदराबाद के कुकटपल्ली में 7 करोड़ का एक आलीशान विला, वानापर्थी में 25 एकड़ कृषि भूमि और फार्महाउस, करीब 50 तोला सोना, और परिवार के सदस्यों के नाम पर कई फ्लैट व प्लॉट के दस्तावेज मिले हैं। इसके अलावा सत्यनारायण की पत्नी के नाम पर 9 खुले प्लॉट और हैदराबाद में दो फ्लैट (एक करमनघाट में 3-बीएचके और दूसरा नागोले में 2-बीएचके) भी जांच के दायरे में हैं। छापेमारी के दौरान एसीबी को परिवार के पास 3 से 4 चार-पहिया वाहन और एक दो-पहिया वाहन होने की जानकारी भी सामने आई है। वित्तीय निवेश के रूप में म्यूचुअल फंड और चिट फंड में करीब 20 लाख रुपये और बीमा पॉलिसियों से जुड़ी जानकारी भी एसीबी ने जुटाई है। हालांकि, जांच टीम को कोई बैंक लॉकर नहीं मिला। एसीबी ने सत्यनारायण के पैतृक गांव शापुर, वानापर्थी, हैदराबाद और उनके परिवार व रिश्तेदारों से जुड़े कुल 10 ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली। सत्यनारायण ने साल 2005 में असिस्टेंट इंजीनियर के रूप में सरकारी सेवा शुरू की थी और वर्तमान में सिंचाई विभाग में डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। उनकी पत्नी भी बिजली विभाग (ट्रांसको) में असिस्टेंट इंजीनियर हैं। एंटी करप्शन ब्यूरो पता लगाने में जुटी है कि एक सरकारी इंजीनियर की वैध आमदनी के मुकाबले इतनी बड़ी संपत्ति कैसे जमा हुई। एजेंसी अधिकारी की कुल आय, नौकरी से अर्जित वेतन, निवेश और परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद सभी संपत्तियों का हिसाब जुटा रहे हैं।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा, 19-20 नवंबर को तट से टकराने के आसार

- संभावित मार्ग और लैंडफाल को लेकर एकमत नहीं मौसम एजेंसियां

नई दिल्ली, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में फिर चक्रवाती तूफान का खतरा मंडरा रहा है, इससे तटीय राज्यों में चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, संभावित तूफान 19 या 20 नवंबर के आसपास तट के करीब पहुंच सकता है। हालांकि, इसके संभावित मार्ग और लैंडफाल को लेकर अभी भी काफी अनिश्चितता बनी हुई है, क्योंकि अलग-अलग मॉडल भिन्न-भिन्न अनुमान जाहिर कर रहे हैं। कुछ यूरोपीय मॉडल तूफान को आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तट की ओर बढ़ने का संकेत दे रहे हैं, जबकि अन्य इस चक्रवाती तूफान को बांग्लादेश या म्यांमार की ओर मुड़ने की संभावना जता रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया है कि मध्य अंडमान सागर में बना चक्रवाती परिसंचरण अब दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। उम्मीद है कि 15 नवंबर तक यह दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग में अवदाब में तब्दील होगा। आईएमडी के विस्तारित पूर्वानुमान में कहा गया है कि यह अवदाब के और अधिक मजबूत होकर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है, लेकिन इसके संभावित मार्ग और तट से टकराने के स्थान को लेकर विभिन्न मौसम मॉडल में एकमत नहीं है। इसकारण आईएमडी ने अभी तक कोई स्पष्ट पूर्वानुमान जारी नहीं किया है और अवदाब बनने के बाद ही स्थिति साफ होने की उम्मीद है। इस बीच, भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, ओडिशा में अगले सात दिनों तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 17-18 नवंबर के आसपास राज्य के मौसम में बदलाव देखा जा सकता है। सोआ के जलवायु एवं पर्यावरण केंद्र (सीईसी) के निदेशक डॉ. शरत चंद्र साहू ने अनुमान जताया है कि यदि यह प्रणाली चक्रवाती तूफान का रूप लेती है, तब 19 नवंबर की रात या 20 नवंबर की सुबह यह आंध्र प्रदेश के काकावली से मछलीपट्टनम के बीच तट से टकरा सकता है। ऐसी स्थिति में 17-18 नवंबर से ओडिशा के गंजाम, गजपति और पुरी जिलों में हल्की बारिश शुरू हो सकती है, जिसके बाद 19 से 21 नवंबर के बीच दक्षिण ओडिशा के कोरापुट, नवरंगपुर, मलकानगिरि, रायगड़ा और गजपति जिलों में भारी बारिश की आशंका है। वहीं, मौसम वैज्ञानिक विश्वजीत साहू के अनुसार, 17 नवंबर के आसपास चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है, जिसके शुरुआती आकलन में आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ने के संकेत हैं।

छठ पूजा और भोजपुरी गानों पर सियासी घमासान, राज ठाकरे ने बीजेपी को दी खुली चुनौती

मुंबई , एजेंसी । महाराष्ट्र में छठ पूजा और भोजपुरी गानों को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ता जा रहा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को निशाने पर लेकर लगातार तीन पोस्ट किए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी आगामी चुनावों को देखकर महाराष्ट्र में सामाजिक तनाव और मराठी-अमराठी विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही है। साथ ही उन्होंने मराठी समाज से बीजेपी की कथित रणनीति में नहीं फंसने की अपील की।

राज ठाकरे ने आरोप लगाया कि बीजेपी और उससे जुड़े सोशल मीडिया समूह छठ पूजा को सांस्कृतिक अतिक्रमण के तौर पर पेश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुछ रील्स और वीडियो के जरिए लोगों के बीच तनाव फैलाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने मुंबई के कुछ रेलवे स्टेशनों पर भोजपुरी गाने बजाए जाने का जिक्र कर दावा किया कि मनसे ने इन गानों को बंद करवाया था।

मनसे प्रमुख ने पूरे घटनाक्रम को आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से जोड़कर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी विकास के मुद्दों पर चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं होती तो समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच विवाद खड़ा करती है। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान हिंदू-मुस्लिम और विधानसभा चुनावों के समय जातिगत मुद्दों को हवा देने का भी आरोप लगाया।

राज ठाकरे ने मुंबई महानगरपालिका चुनाव के दौरान कबूतरखाने के विवाद का उल्लेख कर कहा कि इसके जरिए गुजराती और मराठी समाज के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश की गई थी। उन्होंने बीजेपी पर महाराष्ट्र के सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने और उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने का आरोप भी लगाया। मराठी समाज से अपील कर राज ठाकरे ने कहा कि लोग दूसरों के तय किए राजनीतिक मैदान में उतरकर आपस में न लड़ें। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की गुरिल्ला युद्धनीति का जिक्र कर कहा कि



जवाब कब और कैसे देना है, इसका फैसला महाराष्ट्र के लोग खुद करने वाले है। उन्होंने उत्तर भारतीयों और गुजराती समाज से भी राजनीतिक स्वार्थ के लिए मराठी लोगों के खिलाफ खड़े नहीं होने की अपील की।

राहुल गांधी के दावों पर अखिलेश को याद आए अमर सिंह... उन्होंने भी फोन टैपिंग की बात कही



लखनऊ ,एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के फोन टैपिंग के दावे पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि आज के दौर में कुछ भी संभव है। तकनीक इतनी आसान हो गई है कि किसी का भी फोन टैप हो सकता है। उन्होंने पूर्व सपा नेता अमर सिंह का जिक्र कर कहा कि उन्होंने भी फोन टैपिंग की बात कही थी, जो सच साबित हुई थी। अखिलेश यादव ने मतदाता सूची और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री योगी को कैसे पता चला कि एक करोड़ 27 लाख हिंदू मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से कट गए हैं? चुनाव आयोग ने उन्हें यह जानकारी किस आधार पर दी? अखिलेश ने आरोप लगाया कि बीजेपी मतदाता सूची में हेराफेरी करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने वोट बचाने में कामयाब रही है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने एक करोड़ 27 लाख हिंदू वोट कटने की बात कही, ताकि समाज में डर का माहौल बन सके। अखिलेश ने सवाल किया कि चुनाव आयोग ने मुख्यमंत्री को यह आंकड़ा कैसे उपलब्ध कराया।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर बिना नाम लिए पलटवार कर अखिलेश ने कहा कि जब बीजेपी को कुछ नहीं सूझता, तब लोगों को भैंस चराने की सलाह दी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार आने के बाद से भेदभाव बढ़ा है और उत्तराखंड में भी लोगों को संविधान के तहत उनके अधिकार नहीं मिल रहे हैं।

ईडी हिरासत में आजम खान का छल्का दर्द... शिक्षा का मंदिर बनाना ही मेरी गलती

लखनऊ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आजम खान को जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े 426 करोड़ रुपये के वित्तीय घोटाले और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चार दिन की हिरासत में ले लिया है। गाजियाबाद स्थित विशेष न्यायाधीश ने ईडी की रिमांड अर्जी स्वीकार कर ली, जिसके बाद उन्हें डासना जेल से पूछताछ के लिए ले जाया गया। इस दौरान, आजम खान ने कहा, बच्चों को पढ़ाने का गुनाह किया है। यूनिवर्सिटी बनाई, स्कूल बनाए, शिक्षा का मंदिर एक मुसलमान ने बना दिया, यही एक गुनाह हो गया। ईडी की यह हिरासत 12 की शाम 4:30 बजे से 16 नवंबर की शाम 4:30 बजे तक प्रभावी रहेगी।

अदालत ने रिकॉर्ड देखने के बाद पाया कि धन के व्यापक लेनदेन का पता लगाने के लिए आजम से हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। इसके पहले, ईडी ने 30 अक्तूबर को आजम को गिरफ्तार कर 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेजा था। यह मामला जौहर विश्वविद्यालय के लिए 27 किसानों की जमीनों पर जबरन कब्जा करने के आरोपों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। आलियागंज के किसानों द्वारा जमीन हड़पने के आरोपों से संबंधित मुकदमों की सुनवाई, जो एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रही है, ईडी की हिरासत के चलते टल गई। इन मामलों की अगली सुनवाई अब 30 नवंबर को तय की गई है।

इस बीच, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने डासना जेल में आजम से मुलाकात की। मुलाकात के बाद शिवपाल ने कहा कि उन्हें अब केवल न्यायालय से ही उम्मीद है। उन्होंने आरोप लगाया कि शासन तथा प्रशासन आजम का उत्पीड़न कर रहा है और उन पर लगाए गए सभी मुकदमों को झूठा बताया। शिवपाल यादव के अनुसार, आजम का एकमात्र दोष गरीब बच्चों के लिए विश्वविद्यालय बनाना था।



छठ पूजा से पहले यमुना में मरी मछलियों पर सियासत तेज, भाजपा और आप आमने-सामने

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली में छठ पूजा से पहले यमुना नदी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। सोनिया विहार के पास नदी में मरी मछलियों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इस घटना ने यमुना के प्रदूषण और जल की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने यमुना की सफाई को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार नदी को साफ करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति अलग है। उन्होंने सवाल उठाया कि मछलियों की मौत प्रदूषण के कारण हुई या पानी में किसी हानिकारक रसायन के मिलने से। उन्होंने सरकार से इसकी जांच कराने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। आप नेता भारद्वाज ने लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा के उस आरोप को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि मरी हुई मछलियां जानबूझकर नदी में डाली गई हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं को अपने आरोपों



के समर्थन में सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की चुनौती दी। आप नेता भारद्वाज ने कहा कि हजारों मरी हुई मछलियों को इकट्ठा करके नदी में डालने का आरोप निराधार है और दिल्ली सरकार को वास्तविक कारणों का पता लगाना चाहिए।

वहीं, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आप पर पलटवार कर आरोप लगाया कि विपक्षी दल यमुना में मरी हुई मछलियां डालकर दिल्ली सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने इस हरकत को छठ पूजा जैसे धार्मिक मौके से पहले बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और बड़ा पाप बताया। मंत्री सिरसा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने यमुना के 60 प्रतिशत हिस्से की सफाई कर रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नदी में क्रूज सेवा शुरू होने और सफाई के प्रयासों से परेशान होकर आप इस तरह की गतिविधियां कर रही है।

इस बीच, दिल्ली जल बोर्ड ने मामले में दिल्ली पुलिस को शिकायत देकर सोशल मीडिया पर कथित भ्रामक सूचनाएं फैलाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले की जांच क्राइम ब्रांच यूनिट-2 को सौंपी

मुंबई, एजेंसी । बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग मामले में मुंबई पुलिस ने जांच को लेकर बड़ा फैसला लिया। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल (एईसी) से इस मामले की जांच वापस लेकर क्राइम ब्रांच की यूनिट-2 को सौंप दी गई है। मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) की धाराएं लगने के बाद जांच की जिम्मेदारी में यह बदलाव किया गया है। अब एसीपी सदाशिव राणे इस मामले के नए जांच अधिकारी होंगे। उनकी मदद के लिए यूनिट-2 की एक विशेष टीम भी बनाई गई है। इस बदलाव को मुंबई पुलिस आयुक्त के एक अहम फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पुलिस आयुक्त ने क्राइम ब्रांच की यूनिट एंटी-एक्सटॉर्शन सेल को अपने पास मौजूद तीन से चार अहम और हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच दूसरी क्राइम ब्रांच यूनिट्स को सौंपने का निर्देश दिया है।

परिसीमन विधेयक पर विशेष सत्र की विपक्ष को कोई जानकारी नहीं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की किसी भी योजना के बारे में विपक्षी दलों को अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार यदि



इस तरह का कोई सत्र बुलाने की तैयारी कर रही है, तब विपक्ष को इसकी जानकारी होनी चाहिए। प्रियंका गांधी वाड्रा से संसद का विशेष सत्र बुलाकर प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पर चर्चा करने की खबरों के संबंध में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस बारे में विपक्ष के किसी भी सदस्य को सूचना नहीं दी है। इसलिए उन्हें फिलहाल ऐसी किसी योजना की जानकारी नहीं है।

प्रियंका गांधी वाड्रा अपने चार दिवसीय दौरे के तहत अपने निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा ले रही हैं। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार असहमति जताने वाले लोगों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। जो लोग अपनी बात रखना चाहते हैं, उन्हें बोलने से रोका जाता है। पिछले कुछ महीनों में लगातार ऐसी घटनाएं देखने को मिली हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि विपक्ष संविधान और उसके मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह संविधान और उसके मूल्यों की रक्षा करने वाली संस्थाओं को व्यवस्थित तरीके से कमजोर कर रही है। प्रियंका गांधी ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना विपक्ष की प्राथमिकता है।

बच्चों की मुस्कान में भारत का भविष्य तलाशते थे चाचा नेहरू



योगेश कुमार गोयल

बाल दिवस का वास्तविक अर्थ बच्चों को उपहार देना, समारोह आयोजित करना या उनके साथ तस्वीरें खिंचवाना भर नहीं है बल्कि इसका असली उद्देश्य यह आत्ममंथन करना है कि क्या हम प्रत्येक बच्चे को सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, पोषण और अपनी प्रतिभा विकसित करने का समान अवसर दे पा रहे हैं? क्या हमारा शिक्षा तंत्र बच्चों में सवाल पूछने, तर्क करने और नया सोचने की क्षमता विकसित कर रहा है? क्या हम उनकी भावनाओं को समझते हैं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं?

नेहरू के सपनों का भारत और आज का बचपन... किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सीमाओं, संसाधनों, सैन्य सामर्थ्य या आर्थिक संपन्नता से नहीं, उसकी नई पीढ़ी के सपनों, सामर्थ्य, संस्कारों और संभावनाओं से तय होती है। जिस देश के बच्चे शिक्षित, स्वस्थ, जिज्ञासु, संवेदनशील और आत्मविश्वासी होते हैं, उसका भविष्य भी उतना ही उज्ज्वल होता है। स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस सत्य को गहराई से समझते थे। बच्चों के प्रति उनका स्नेह केवल भावनात्मक लगाव तक सीमित नहीं था बल्कि वे उन्हें स्वतंत्र भारत की नियति गढ़ने वाली सबसे महत्वपूर्ण शक्ति मानते थे। यही कारण है कि बच्चों के बीच वे प्रधानमंत्री से अधिक 'चाचा नेहरू' के रूप में लोकप्रिय हुए और उनका जन्मदिवस 14 नवम्बर देशभर में बाल दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। नेहरू का बच्चों से रिश्ता किसी औपचारिकता, राजनीतिक छवि या सार्वजनिक लोकप्रियता का हिस्सा नहीं था। बच्चों की निश्छल मुस्कान, उनकी जिज्ञासाएं, कल्पनाशीलता और बेबाक सवाल उन्हें सहज ही आकर्षित करते थे। वे बच्चों के बीच पहुंचकर अपना पद, प्रतिष्ठा और प्रोटोकॉल भूल जाते थे। उनके साथ हंसते, खेलते और बातचीत करते हुए वे स्वयं भी बच्चों की दुनिया का हिस्सा बन जाते थे। नेहरू का बाल प्रेम उनके विचारों और राष्ट्र निर्माण की अवधारणा में भी स्पष्ट दिखाई देता है। वे मानते थे कि किसी भी देश का भविष्य उसकी कक्षाओं, विद्यालयों और बच्चों के पालन-पोषण में आकार लेता है। बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं, जिन्हें जिस वातावरण, शिक्षा और संस्कारों में ढाला जाता है, उनका व्यक्तित्व उसी के अनुरूप विकसित होता है। इसलिए बच्चों को केवल अक्षर ज्ञान देना पर्याप्त नहीं बल्कि उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, स्वतंत्र चिंतन, मानवीय संवेदना, अनुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास करना भी आवश्यक है। उनका विश्वास था कि बच्चों को भय, भेदभाव और संकीर्णता से मुक्त वातावरण मिले, जहां वे प्रश्न पूछ सकें, अपनी प्रतिभा पहचान सकें और अपनी कल्पनाओं को वास्तविकता में बदलने का साहस जुटा सकें।

बच्चों के प्रति नेहरू जी की संवेदनशीलता का एक प्रसंग अक्सर याद किया जाता है। कहा जाता है कि एक दिन तीन मूर्ति भवन के बगीचे में टहलते हुए उन्हें एक छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। आसपास उसकी मां दिखाई नहीं दी तो वे स्वयं बच्चे के पास पहुंचे और उसे गोद में उठा



लिया। प्रधानमंत्री की गोद में पहुंचते ही बच्चा शांत हो गया। कुछ देर बाद उसकी मां लौटी तो अपने बच्चे को देश के प्रधानमंत्री की गोद में खेलते देखकर अभिभूत रह गई। यह प्रसंग नेहरू के व्यक्तित्व के उस सहज पक्ष को सामने लाता है, जिसमें ऊंचे पद का अहंकार नहीं बल्कि एक बच्चे की तकलीफ के प्रति मानवीय संवेदना सर्वोपरि थी। नेहरू का मानना था कि शिक्षा किसी समाज के विकास का सबसे प्रभावशाली माध्यम है। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने आधुनिक भारत की शैक्षिक और वैज्ञानिक नींव मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों के विकास को उन्होंने राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया। भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) की स्थापना की दिशा में भी उनके शासनकाल में महत्वपूर्ण पहल हुई। उनका उद्देश्य केवल डिग्रियां बांटना नहीं बल्कि ऐसा शिक्षित और कुशल मानव संसाधन तैयार करना था, जो देश को विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा, उद्योग और अनुसंधान के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सके। वे जानते थे कि ज्ञान और वैज्ञानिक चेतना के बिना आधुनिक राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है।

बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए भी नेहरू ने महत्वपूर्ण कदम उठाए। वर्ष 1955 में चिल्ड्रन्स फिल्म सोसाइटी इंडिया की स्थापना इसी सोच का परिणाम थी। वे चाहते थे कि बच्चों को ऐसी फिल्में और साहित्य उपलब्ध हों, जो उनका मनोरंजन करने के साथ-साथ उनकी कल्पनाशक्ति, नैतिक चेतना और सृजनात्मकता को भी विकसित करें। उनकी दृष्टि में शिक्षा का अर्थ केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं था। खेल, कला, संगीत, साहित्य, प्रकृति से जुड़ाव और सांस्कृतिक गतिविधियां भी बच्चे के व्यक्तित्व को समृद्ध बनाने के अनिवार्य माध्यम थे। उनकी बाल-दृष्टि का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह था कि वे बच्चों को राष्ट्र के भविष्य के साथ-साथ वर्तमान की जिम्मेदारी भी मानते थे। उनका विचार था कि यदि बच्चों को उचित पोषण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित वातावरण और आगे बढ़ने के समान अवसर नहीं मिलेंगे तो राष्ट्र की प्रगति का सपना अधूरा रह जाएगा। बच्चों के स्वास्थ्य, प्राथमिक शिक्षा और कल्याण से जुड़ी योजनाओं को प्रोत्साहन देना इसी व्यापक सोच का हिस्सा था।

पंडित नेहरू समझते थे कि भूख, गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक असमानता किसी भी बच्चे की प्रतिभा को जन्म लेने से पहले ही कुचल सकती हैं। इसलिए बच्चों के विकास को परिवार की निजी जिम्मेदारी भर नहीं, सरकार और समाज का साझा दायित्व माना जाना चाहिए। आज जब हम बाल दिवस मनाते हैं तो नेहरू के विचारों की प्रासंगिकता और अधिक गहरी दिखाई देती है। एक ओर भारत अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विज्ञान के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है, वहीं दूसरी ओर लाखों बच्चे कुपोषण, अशिक्षा, बालश्रम, बाल विवाह, डिजिटल दुष्प्रभाव, हिंसा, भेदभाव और असुरक्षित बचपन जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। प्रतिस्पर्धा और अंकों की अंधी दौड़ ने बच्चों के स्वाभाविक बचपन, खेलकूद और रचनात्मकता को भी प्रभावित किया है। सोशल मीडिया और डिजिटल उपकरणों की बढ़ती निर्भरता के बीच बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, एकाग्रता और सामाजिक व्यवहार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। ऐसे समय में नेहरू की यह सोच याद रखना जरूरी है कि बच्चों का विकास केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उन्हें एक अच्छा इंसान और जिम्मेदार नागरिक बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

बाल दिवस का वास्तविक अर्थ बच्चों को उपहार देना, समारोह आयोजित करना या उनके साथ तस्वीरें खिंचवाना भर नहीं है बल्कि इसका असली उद्देश्य यह आत्ममंथन करना है कि क्या हम प्रत्येक बच्चे को सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, पोषण और अपनी प्रतिभा विकसित करने का समान अवसर दे पा रहे हैं? क्या हमारा शिक्षा तंत्र बच्चों में सवाल पूछने, तर्क करने और नया सोचने की क्षमता विकसित कर रहा है? क्या हम उनकी भावनाओं को समझते हैं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं? इन सवालों के जवाब ही किसी समाज की बाल-हितैषी सोच और उसके भविष्य की वास्तविक दिशा तय करेंगे। पंडित नेहरू का मूल्यांकन इतिहास अनेक राजनीतिक, आर्थिक और वैचारिक कसौटियों पर करता रहेगा लेकिन बच्चों के प्रति उनका स्नेह और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा एवं वैज्ञानिक चेतना पर दिया गया जोर उनकी विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनके लिए बच्चे केवल आने वाले कल के नागरिक नहीं थे बल्कि नए भारत के निर्माण की सबसे बड़ी उम्मीद थे। उनके जन्मदिवस पर सबसे सार्थक श्रद्धांजलि यही होगी कि हम हर बच्चे को भयमुक्त बचपन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वस्थ वातावरण और सपने देखने के साथ उन्हें साकार करने का अवसर उपलब्ध कराने का संकल्प लें। क्योंकि किसी भी देश का भविष्य संसद के गलियारों या सत्ता के सिंहासनों में नहीं, उसके बच्चों की आंखों में पलते सपनों में लिखा जाता है। बच्चों की मुस्कान सुरक्षित होगी, तभी भारत की मुस्कान भी सुरक्षित और उज्ज्वल होगी।

संपादकीय

फिर दहशत की दस्तक

भारत विरोध को प्राणवायु बनाने वाले पाकिस्तान पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता कि वह भारत पर घात का कोई मौका चूकेगा। पाक प्रायोजित आतंक का चेहरा एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में हुए हालिया आतंकी हमले में उजागर हुआ है। किश्तवाड़ में दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों यानी एसपीओ की हत्या और कुलगाम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की पोस्ट पर हमले की हालिया घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। करीब चौबीस घंटे के भीतर हुई ये घटनाएं बताती हैं कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा हालात अभी भी संवेदनशील बने हुए हैं। ये घटनाएं एक बार फिर याद दिलाती हैं कि सामान्य स्थिति और स्थायी शांति के दावों से इतर इलाके में आतंकवाद के रक्तबीज मौजूद हैं। दुखद ही है कि लापता होने के एक दिन बाद दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों के गोलियों से छलनी शव बरामद हुए हैं। वहीं दूसरी ओर सीआरपीएफ की चेकपोस्ट पर हुए हमले में तीन जवान घायल हुए हैं। निस्संदेह,यह हमारी खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों के लिये नई चुनौती है। उल्लेखनीय है कि इससे ठीक एक साल पहले राजधानी में लाल किले के पास एक कार धमाके में ग्यारह लोगों की जान चली गई थी। कालांतर राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनएआई की व्यापक जांच के बाद पता चला था कि विस्फोट की घटना में जम्मू-कश्मीर स्थित पुलवामा के एक डॉक्टर की मुख्य भूमिका रही थी। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर में हालिया आतंकी हमलों की सभी राजनीतिक दलों ने निंदा की है। वहीं केंद्र शासित प्रदेश में सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने केंद्र सरकार के उस दावे पर सवाल उठाये हैं, जिसमें कहा गया था कि जम्मू-कश्मीर आतंकवाद से मुक्त हो चुका है। ऐसे वक्त बयानबाजी से आगे बढ़कर खुफिया जानकारी जुटाने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने, सुरक्षा इंतजामों को मजबूत करने और आतंकवाद विरोधी अभियानों में बेहतर सामंजस्य स्थापित करने की सख्त जरूरत है। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि स्थानीय समुदायों की चिंता पर विशेष ध्यान दिया जाए। निस्संदेह, आज के आधुनिक उन्नत तकनीक के युग में आतंकवाद से लड़ाई के लिये तमाम विकल्प सुरक्षा बलों के पास मौजूद हैं। लेकिन स्थानीय समाज में घुल-मिल कर रहने वाले आतंकियों तक पहुंच बनाने के लिये लोकल संपर्क सूत्रों की बड़ी भूमिका होती है। कोई भी केंद्रीय सत्ता स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना आतंक के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने में असहजता महसूस करेगी। पाकिस्तानी सीमा से लगने वाले दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को इस बात के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि वे बिना किसी भय व दबाव के सुरक्षा एजेंसियों से सहयोग करें। निस्संदेह, आतंकवाद को हराने के लिये उनकी सुरक्षा, उनका भरोसा और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है।

चिंतन-मनन

संवेदनशील और सबल बनो

सदाचार का तब तक पालन किए जाओ जब तक यह तुम्हारा स्वभाव न बन जाए। मित्रता, दया और ध्यान का अभ्यास जारी रखो। जब तक यह न समझ जाओ कि यह तुम्हारा स्वभाव है। जब कार्य स्वभावतः किया जाता है,तब तुम फल की लालसा नहीं रखते हो। सहजता से बस कार्य किए जाते हो। स्वभावतः किया हुआ काम न तो थकान देता है और न पुंठित करता है। दांत साफ करना, नहाना, इत्यादि दैनिक कार्य को कृत्य नहीं समझा जाता क्योंकि ये दैनिक जीवन से जुड़े क्रिया-कलाप हैं। इन सब कार्य को तुम बिन कर्तापन के करते हो। जब सेवा तुम्हारा स्वभाव बन जाता है, तब यह कर्तापन रहित होता है। ज्ञानी अभ्यास जारी रखते हैं ताकि वे औरों के लिए उदाहरण बनें, हांलाकि उनको किसी अभ्यास की आवश्यता नहीं। जो संवेदनशील हैं, प्रायः वे कमजोर होते हैं। जो स्वयं को सबल समझते हैं, वे प्रायः असंवेदनशील होते हैं। कुछ व्यक्ति स्वयं के प्रति संवेदनशील होते हैं पर औरों के प्रति नहीं। और कुछ लोग दूसरों के प्रति संवेदनशील होते हैं, पर खुद के प्रति नहीं। जो व्यक्ति केवल अपने प्रति संवेदशील हैं, वे प्रायः औरों को दोष देते हैं। जो केवल दूसरों के प्रति संवेदनशवील होते हैं, वे स्वयं को असहाय और दीन समझते हैं। कुछ इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि संवेदनशील होना ही नहीं चाहिए क्योंकि संवेदनशीलता पीड़ा लाती है। वे अपने आप को औरों से दूर रखने लगते हैं परन्तु यदि तुम संवेदनशील नहीं हो तो जीवन के अनेक सूक्ष्म अनुभवों को खो दोगे जैसे अंतर्ज्ञान, सौन्दर्य और प्रेम का उल्लास। यह पथ और ज्ञान तुम्हें सबल भी बनाता है और संवेदनशील भी। असंवेदनशील व्यक्ति प्रायः अपनी कमजोरियों को नहीं पहचानते। और जो संवेदनशील हैं, वे अपनी ताकत को नहीं पहचानते। उनकी संवेदनशीलता ही उनकी ताकत है। संवेदनशीलता अंतर्ज्ञान है, अनुकम्पा है, प्रेम है। संवेदनशीलता आत्म-बल है। और आत्म-बल है स्थिरता, तितिक्षा (सहनशीलता), मौन, प्रतिक्रिया-विहीनता, आत्मविश्वास, निष्ठा और एक मुस्कान। संवेदनशील और सबल, दोनों बनो।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

शेख हसीना को भारत में पनाह देने के सवाल पर बांग्लादेश की नाराजगी दोनों देशों के रिश्तों की बड़ी परीक्षा



कांतिलाल मांडोत

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक संबंधों में एक बार फिर तनाव बढ़ता दिखाई दे रहा है। अगस्त 2024 में सत्ता परिवर्तन के बाद से भारत में रह रहीं शेख हसीना की संभावित स्वदेश वापसी की चर्चाओं ने बांग्लादेश की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार चाहती है कि भारत शेख हसीना को वापस सौंपे, जबकि भारत इस पूरे मामले को कानूनी और कूटनीतिक दृष्टि से देख रहा है। इस मुद्दे ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच विश्वास, संप्रभुता और न्यायिक प्रक्रिया को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शेख हसीना लंबे समय तक बांग्लादेश की राजनीति का प्रमुख चेहरा रही हैं। उनके शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार, सुरक्षा, परिवहन और क्षेत्रीय सहयोग के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई थी। दोनों देशों ने आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग बढ़ाया और सीमा प्रबंधन से लेकर संपर्क सुविधाओं तक कई महत्वपूर्ण समझौते किए। लेकिन 2024 में छात्र आंदोलन के बाद उनकी सरकार का पतन हो गया और उन्हें देश छोड़ना पड़ा। इसके बाद से वह भारत में रह रही हैं। सत्ता परिवर्तन के बाद बांग्लादेश की नई राजनीतिक परिस्थितियों ने भारत के सामने भी एक कठिन कूटनीतिक चुनौती खड़ी कर दी है।

बांग्लादेश की वर्तमान सरकार शेख हसीना की भारत में मौजूदगी को लेकर लगातार असंतोष व्यक्त कर रही है। उसका तर्क है कि जिस व्यक्ति पर देश में गंभीर आपराधिक आरोप हैं और जिसे अदालत से कठोर सजा सुनाई जा चुकी है, उसे वापस लाकर न्यायिक प्रक्रिया का सामना कराया जाना चाहिए। बांग्लादेश के अभियोजन पक्ष का कहना है कि 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं में शेख हसीना की भूमिका की जवाबदेही तय होनी चाहिए। इसी मामले में नवंबर 2025 में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने उनकी अनुपस्थिति में मृत्युदंड का फैसला सुनाया था। इसके अतिरिक्त उनके खिलाफ भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और अन्य आपराधिक मामलों से जुड़े मुकदमे भी चल रहे हैं।

दूसरी ओर शेख हसीना इन आरोपों को राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित बताती रही हैं। उनका कहना है कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई निष्पक्ष न्याय की प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक विरोधियों की बदले की भावना का परिणाम है। उन्होंने अपने समर्थकों और अवामी लीग के कार्यकर्ताओं के बीच लौटने की इच्छा भी व्यक्त की है। दिसंबर में स्वदेश लौटने और अदालत में अपना पक्ष रखने की बात सामने आने के बाद बांग्लादेश की राजनीति में नई बहस शुरू हो गई है। उनके वकीलों की ओर से भारत स्थित बांग्लादेश उच्चायोग को नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने के लिए पत्र भेजे जाने की खबरों ने भी इस चर्चा को और तेज कर दिया है।

शेख हसीना की वापसी का मुद्दा केवल एक पूर्व प्रधानमंत्री के भविष्य तक सीमित नहीं है। इसके पीछे बांग्लादेश की आंतरिक राजनीतिक स्थिरता और भारत के साथ उसके भविष्य के संबंध भी जुड़े हुए हैं। बांग्लादेश में अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध और उसके समर्थकों में व्याप्त असंतोष के बीच शेख हसीना की वापसी से राजनीतिक टकराव बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। हाल के दिनों में ढाका सहित कई क्षेत्रों में धमाकों और आगजनी की घटनाओं ने वहां की कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ाई है। हालांकि इन घटनाओं को सीधे शेख हसीना की वापसी की चर्चाओं से जोड़ने के लिए स्वतंत्र जांच और प्रमाण आवश्यक हैं।

भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने पड़ोसी देश के साथ संबंधों को भी संतुलित रखे और मानवीय तथा कानूनी पहलुओं की अनदेखी भी न करे। भारत की ओर से अब तक सार्वजनिक रूप से ऐसा कोई संकेत नहीं दिया गया है कि शेख हसीना को जबरन बांग्लादेश भेजने का निर्णय लिया गया है। भारत ने उनके प्रत्यर्पण के सवाल पर कानूनी और द्विपक्षीय पहलुओं को महत्वपूर्ण माना है। दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि मौजूद है, लेकिन किसी व्यक्ति को दूसरे देश को सौंपने की प्रक्रिया में संधि की शर्तों, उपलब्ध कानूनी आधार और संबंधित परिस्थितियों का परीक्षण आवश्यक होता है।

यह भी समझना होगा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्याय का अर्थ केवल सजा सुनाना नहीं, बल्कि निष्पक्ष सुनवाई और कानूनी अधिकारों की रक्षा करना भी है। यदि किसी व्यक्ति के विरुद्ध गंभीर आरोप हैं तो उनका निर्णय पारदर्शी न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए। विशेष रूप से मृत्युदंड जैसे गंभीर फैसले के मामले में न्यायिक निष्पक्षता और अपील के अधिकार का महत्व और बढ़ जाता है। भारत को भी किसी जल्दबाजी में निर्णय लेने के बजाय सभी कानूनी पहलुओं पर विचार करना होगा।

बांग्लादेश को भी यह समझना चाहिए कि भारत के साथ संबंध केवल शेख हसीना के मुद्दे पर निर्भर नहीं हैं। दोनों देशों के बीच लंबी सीमा, व्यापारिक साझेदारी, ऊर्जा सहयोग, सुरक्षा और करोड़ों लोगों के हित जुड़े हुए हैं। भारत और बांग्लादेश की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि दोनों एक-दूसरे की अनदेखी करके अपनी विकास यात्रा को आगे नहीं बढ़ा सकते। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद संवाद और सहयोग बनाए रखना दोनों के हित में है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शेख हसीना के मुद्दे को राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाने के बजाय कानून, न्याय और कूटनीति के दायरे में सुलझाया जाए। बांग्लादेश को अपनी न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करनी चाहिए और भारत को अपने निर्णय में राष्ट्रीय हित के साथ मानवीय तथा कानूनी सिद्धांतों का संतुलन बनाए रखना चाहिए। पड़ोसी देशों के रिश्ते भावनाओं और आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि आपसी विश्वास और परिपक्व कूटनीति से मजबूत होते हैं। शेख हसीना का भविष्य चाहे जिस दिशा में जाए, भारत और बांग्लादेश के संबंधों में स्थायी तनाव पैदा होना दोनों देशों के लिए नुकसानदायक होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती



ललित गर्ग

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।

इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण 2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं-विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना।

दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी?

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं।

भारत के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है। देश एक ओर बढ़ती गर्मी, अनियमित मानसून, बाढ़ और सूखे का सामना कर रहा है, तो दूसरी ओर महानगरों में वायु प्रदूषण ने स्वास्थ्य संकट को गहरा कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के आसपास प्रदूषण का जो भयावह स्तर देखने को मिला, उसने स्पष्ट कर दिया कि वायु केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि अब स्वास्थ्य का सबसे बड़ा संकट भी बन सकती है। लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश, सांस लेने में कठिनाई, खांसी और अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों और चिकित्सकों पर दबाव बढ़ता है। यह स्थिति केवल मौसमी परेशानी नहीं मानी जा सकती। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन एक-दूसरे से अलग संकट नहीं हैं। जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग दोनों समस्याओं को बढ़ाता है। इसलिए दिल्ली की जहरीली हवा और दुनिया के बढ़ते तापमान के बीच एक गहरा संबंध है।

कोविड-19 के दौरान भारत ने अभूतपूर्व स्वास्थ्य आपातस्थिति का सामना किया था। उस समय प्रशासन, स्वास्थ्य तंत्र, नागरिक समाज और आम जनता ने मिलकर संकट का सामना किया। आज वायु प्रदूषण को लेकर भी वैसी ही गंभीरता की आवश्यकता है। इसका अर्थ केवल औपचारिक रूप से आपातकाल घोषित करना नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य केंद्रित आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करना है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के अत्यधिक स्तर पर स्कूलों, निर्माण गतिविधियों, यातायात, औद्योगिक उत्सर्जन, पराली और कचरा जलाने आदि को लेकर तत्काल और समन्वित कार्रवाई होनी चाहिए। अस्पतालों को तैयार रखना, संवेदनशील नागरिकों के लिए स्वास्थ्य परामर्श, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना और प्रदूषण के स्रोतों पर वास्तविक नियंत्रण आवश्यक है। भारत सरकार को राज्यों के साथ मिलकर ऐसी स्थायी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रदूषण को केवल सर्दियों की समस्या न समझा जाए। वर्षभर वायु गुणवत्ता की निगरानी, उत्सर्जन नियंत्रण और स्वास्थ्य प्रभावों का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए।

भारत के पास दुनिया को केवल तकनीकी समाधान देने की ही नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने की भी क्षमता है। भारतीय संस्कृति ने सदियों पहले प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन का सहचर माना। जैन दर्शन का अहिंसा और अपरिग्रह का संदेश आज जलवायु संकट के दौर में अत्यंत प्रासंगिक हो सकता है। आवश्यकता से अधिक उपभोग, अंधाधुंध संसाधन-दोहन और प्रकृति पर प्रभुत्व की मानसिकता को बदलना होगा। हमें विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। ऐसा विकास चाहिए जो रोजगार दे, अर्थव्यवस्था को गति दे, लेकिन हवा, पानी, मिट्टी और जंगलों को नष्ट न करे। यही वास्तविक सतत विकास है।

आज सीओपी-31 से दुनिया को एक और घोषणापत्र की नहीं, दृढ़ इच्छाशक्ति, आर्थिक प्रतिबद्धता और समयबद्ध कार्रवाई की आवश्यकता है। जलवायु संकट की घड़ी में निष्क्रियता भी एक प्रकार का निर्णय है और उसकी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ेगी। धरती हमें चेतावनी दे रही है। तापमान बढ़ रहा है, समुद्र गर्म हो रहे हैं, बर्फ पिघल रही है और शहरों की हवा जहरीली हो रही है। अब भी समय है कि मानवता अपनी विकास-दृष्टि पर पुनर्विचार करे। प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही भविष्य का रास्ता है। यदि हम आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां यह सवाल जरूर पूछेंगी-ज

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-गणना के प्रति बढ़ाएं जागरूकता





बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनगणना-2027 के अंतर्गत स्व-गणना प्रक्रिया को सफल बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने की। इसमें समस्त खंड विकास अधिकारियों और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अधिकारियों को स्व-गणना के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए।
मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। सभी महिलाएं अपने-अपने गांवों में लोगों को स्व-गणना की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दें और उन्हें स्वयं ऑनलाइन माध्यम से जनगणना संबंधी जानकारी दर्ज करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि प्रत्येक स्वयं सहायता समूह की महिला कम से कम 30 व्यक्तियों की स्व-गणना कराना सुनिश्चित करे।
उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं गांवों में घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करें और उन्हें स्व-गणना के महत्व के बारे में बताएं। ग्रामीणों को ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और जागरूकता अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करें।
मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि जनगणना-2027 के अंतर्गत स्व-गणना की प्रक्रिया 16 नवंबर से 30 नवंबर तक संचालित की जाएगी। इस अवधि में नागरिक स्वयं ऑनलाइन माध्यम से अपनी जनगणना संबंधी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित समयावधि में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित कराई जाए और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के माध्यम से गांवों में व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए।
उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है और इसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है।
ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के सहयोग से स्व-गणना के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सकती है। बैठक में जिला विकास अधिकारी राम आशीष सहित समस्त खंड विकास अधिकारी तथा एनआरएलएम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

24 कोसीय परिक्रमा महोत्सव में श्रद्धालुओं पर ड्रोन और बुलडोजर से हुई पुष्प वर्षा, भव्य स्वागत से भक्तिमय हुआ माहौल





सम्भल(सब का सपना):-जनपद में 13 और 14 नवंबर को आयोजित हो रहे 24 कोसीय परिक्रमा महोत्सव को भव्य और दिव्य स्वरूप देने के लिए प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। श्रद्धालुओं के स्वागत और उत्साहवर्धन के लिए प्रमुख तीर्थ स्थलों और मंदिरों पर ड्रोन एवं बुलडोजर के माध्यम से पुष्प वर्षा की गई। फूलों की वर्षा और आकर्षक सजावट से पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया। महोत्सव की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल और पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने विभिन्न प्रमुख तीर्थ स्थलों और मंदिरों का निरीक्षण किया।
जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक सबसे पहले क्षेमनाथ तीर्थ (नैमिषारण्य तीर्थ) पहुंचे। यहां उन्होंने तीर्थ परिसर में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान ड्रोन के माध्यम से श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई। अधिकारियों ने 24 कोसीय परिक्रमा के लिए तैयार किए गए मॉडल का अवलोकन किया और फूलों से तैयार की गई आकर्षक फ्लेक्सी तथा जलाशय का निरीक्षण किया। उन्होंने तीर्थ परिसर में साफ-सफाई और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं को भी देखा।
इसके बाद जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने 24 कोसीय परिक्रमा मार्ग का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परिक्रमा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन और उनकी सुविधाओं के लिए किए गए इंतजामों को देखा। अधिकारियों ने संबंधित विभागों के कर्मचारियों को निर्देश दिए कि परिक्रमा मार्ग पर साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं।
इसके उपरांत दोनों अधिकारी ग्राम चंद्रायन स्थित चन्द्रेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। यहां भी श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया गया और ड्रोन एवं बुलडोजर के माध्यम से पुष्प वर्षा की गई। पुष्प वर्षा से मंदिर परिसर में उत्साह और भक्तिमय माहौल देखने को मिला। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने मंदिर परिसर के साथ आसपास की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने चन्द्रेश्वर महादेव मंदिर के निकट से गुजरने वाली प्राचीन महिष्मति नदी के पुनरोद्धार कार्य का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।
24 कोसीय परिक्रमा महोत्सव को आकर्षक और यादगार बनाने के लिए प्रमुख तीर्थ स्थलों पर विशेष इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं को आयोजन से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने और विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराने के लिए प्रमुख मंदिरों पर एलसीडी स्क्रीन लगाई गई हैं। इसके साथ ही मंदिरों और तीर्थ परिसरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। विशेष प्रकाश व्यवस्था और पुष्प सज्जा से महोत्सव को भव्य स्वरूप दिया जा रहा है। श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए की गई इन व्यवस्थाओं से धार्मिक आयोजन में उत्साह का माहौल बना हुआ है।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि 13 और 14 नवंबर तक चलने वाले 24 कोसीय परिक्रमा महोत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। परिक्रमा मार्ग और प्रमुख तीर्थ स्थलों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन से लेकर दर्शन और अन्य सुविधाओं तक किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रशासन का प्रयास रहे कि श्रद्धालु इस धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन में सुखद और यादगार अनुभव लेकर जाएं।
निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र और अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सम्भल आदित्य प्रकाश सहित विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता तथा संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

आईजीआरएस शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें अधिकारी



बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निर्देशन में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट और अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने की। इसमें विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों के निस्तारण की स्थितिऔर शिकायतकताओं से प्राप्त संतुष्ट एवं असंतुष्ट फीडबैक की विस्तार से समीक्षा की गई।बैठक में अपर जिलाधिकारी ने विभागवार शिकायतों की स्थिति से अधिकारियों को अवगत कराया। उन्होंने आईजीआरएस पोर्टल और हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के बाद मिलने वाले फीडबैक की जानकारी दी। इस दौरान जिन विभागों में शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता असंतुष्ट रहे हैं उनकी स्थिति पर विशेष चर्चा की गई।मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस पोर्टल पर अपलोड की जाने वाली आख्या को पूरी गंभीरता और गहनता से जांचने के बाद ही अपलोड किया जाए। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। केवल कागजी कार्रवाई पूरी करके शिकायत का निस्तारण दर्शाना उचित नहीं है बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान होना चाहिए।
मुख्य विकास अधिकारी ने विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए कहा कि जिन शिकायतों का अभी तक निस्तारण नहीं हुआ है उनके संबंध में संबंधित अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करें। शिकायत में बताई गई समस्या की वास्तविक स्थिति का परीक्षण करने के बाद उसका प्रभावी समाधान कराएं।
उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए और अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता को दोबारा अपनी समस्या लेकर कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।
उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आईजीआरएस और हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों के प्रति विशेष संवेदनशीलता बरती जाए। प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसके निस्तारण की नियमित समीक्षा की जाए। शिकायतों के निस्तारण में शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखी जाए। साथ ही शिकायतों की आख्या अपलोड करने से पहले उसकी गुणवत्ता और तथ्यों की सही तरीके से जांच की जाए ताकि किसी भी स्तर पर गलत या अधूरी जानकारी पोर्टल पर अपलोड न हो।
जनसमस्याओं का समयबद्ध और प्रभावी समाधान कराना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराएं।बैठक में डिप्टी कलेक्टर रामानुज और जिला विकास अधिकारी राम आशीष सहित अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत आशीष कुमार और एआरटीओ अमिताभ चतुर्वेदी तथा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी शैलेंद्र कुमार मौजूद रहे। इसके अलावा संबंधित विभागों के अधिकारी और आईजीआरएस पटल सहायक एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की पहल, छह दिवसीय ईडीपी प्रशिक्षण के लिए आवेदन शुरू



बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत छह दिवसीय सामान्य ईडीपी (उद्यमिता विकास कार्यक्रम) प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। सीबीआरसेटी संस्थान बहजोई में 16 नवंबर से शुरू होने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।
संस्थान की ओर से बताया गया कि प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को उद्यमिता से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी। इसमें अपना व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया, व्यवसाय प्रबंधन, वित्तीय जानकारी, बैंकिंग व्यवस्था तथा सरकार की स्वरोजगार से संबंधित योजनाओं के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य युवाओं में उद्यमशीलता की भावना विकसित करना और उन्हें अपना कारोबार शुरू करने के लिए आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थी प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बहजोई स्थित सीबीआरसेटी संस्थान पहुंचकर प्रवेश संबंधी प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इसके लिए अभ्यर्थियों को आधार कार्ड की एक छायाप्रति और पांच पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य होगा। इसके अलावा बीपीएल से संबंधित कोई एक दस्तावेज भी जमा करना होगा। इसमें राशन कार्ड, मनरेगा कार्ड, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से संबंधित दस्तावेज, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र अथवा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से संबंधित प्रमाण पत्र शामिल हैं।
वहीं, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों को अपने आवेदन पत्र का प्रिंटआउट भी साथ लाना होगा।
प्रशिक्षण एवं प्रवेश से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी मोबाइल नंबर 7906846414, 6394021549 और 8808222447 पर संपर्क कर सकते हैं।

थाना प्रभारी ने क्षेत्र के संभ्रांत लोगों के साथ की बैठक, शांति बनाए रखने की अपील



अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना):- शुक्रवार को थाना प्रभारी निरीक्षक ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से क्षेत्र के ग्राम प्रधानों एवं संभ्रांत लोगों के साथ बैठक की। बैठक में लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने और क्षेत्र में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान थाना प्रभारी भूपेंद्र कुमार ने कहा कि पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना उनकी प्राथमिकता है। क्षेत्र के सभी सम्मानित नागरिक पुलिस प्रशासन का सहयोग करें, जिससे क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में लोग ज्यादा सावधानी बरतें, ऐसे में चोरी की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। थाना प्रभारी ने लोगों से ज्यादा से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगवाने की अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या आपराधिक गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें।
उन्होंने स्पष्ट किया कि थाना पुलिस आमजन की सुरक्षा के लिए 24 घंटे तत्पर है। किसी भी व्यक्ति को कोई परेशानी होने पर सीधे थाने पहुंचकर अपनी समस्या बता सकता है, जिस पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।
उन्होंने अपराधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि क्षेत्र में गैरकानूनी गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।
इस दौरान सुखपाल सिंह, उपेंद्र मलिक, जितेंद्र सिंह, सतीश चंद शर्मा, राजेन्द्र सिंह, महेन्द्र सिंह, जगवीर सिंह, राहत खां, भूपेंद्र सिंह, राजेन्द्र शर्मा, सुंदरपाल, प्रमोद शर्मा आदि उपस्थित रहे।

भाकियू द्वारा किसान पंचायत का आयोजन, किसान पंचायत में उठीं गन्ना भुगतान और एमएसपी की मांगें



अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के अकबरपुर रैना स्थित बिजलीघर परिसर में भारतीय किसान यूनियन (लोकहित) के नेतृत्व में किसान पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत की अध्यक्षता केहर सिंह ने की, जबकि संचालन सचिन राणा ने किया। पंचायत में बड़ी संख्या में पहुंचे किसानों ने गन्ना मूल्य घोषित नहीं किए जाने पर नाराजगी जताते हुए प्रदेश सरकार पर किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। पंचायत को संबोधित करते हुए संगठन के जिलाध्यक्ष कपिल सिरोही ने कहा कि पिछले कई वर्षों से गन्ना पेराई सत्र शुरू होने के बाद ही सरकार गन्ने का मूल्य घोषित करती है।
इससे किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य जानने के लिए इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी गन्ना पेराई सत्र शुरू होने के बावजूद अभी तक गन्ना मूल्य घोषित नहीं किया गया है। खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है।
उन्होंने कहा कि चीनी के दामों में बढ़ोतरी के बावजूद किसानों के गन्ने का मूल्य नहीं बढ़ाया जा रहा है। सरकार को किसानों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए कम से कम 600 रुपये प्रति क्विंटल गन्ना मूल्य घोषित करना चाहिए। यदि सरकार इससे कम मूल्य घोषित करती है तो इसे किसान विरोधी फैसला माना जाएगा। पंचायत में निर्णय लिया गया कि गांव-गांव जाकर किसानों को गन्ना मूल्य बढ़ाने और बकाया भुगतान की मांग को लेकर जागरूक किया जाएगा। यदि किसानों की मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इसके अलावा किसानों ने गांव रैना में गन्ना सहकारी समिति का खाद गोदाम खोलने की मांग भी उठाई। किसानों का कहना था कि खाद गोदाम खुलने से क्षेत्र के किसानों को समय पर खाद और कृषि से संबंधित अन्य जरूरी सामान आसानी से उपलब्ध हो सकेगा।पंचायत में किसानों ने एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने और गन्ना मूल्य में उचित बढ़ोतरी होने तक आवाज बुलंद करने का संकल्प लिया। इस दौरान चंद्रपाल सिंह, राकेश सिरोही, मोहित राणा, गजेंद्र सिंह, उदय सिंह, दिनेश सिरोही, महेश कुमार, विजेंद्र सिंह, अतुल राठी, नवीन खान, रणबीर सिंह, सुरेंद्र सिंह, ललित राणा, ज्ञानेंद्र सिंह, दयाराम सिंह, जगबीर सिंह, महेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

एसपी ने कॉलर बनकर की यूपी-112 की टेस्टिंग

पीआरवी का रिस्पॉन्स टाइम मिला धीमा, जांच के आदेश

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में यूपी-112 की आपातकालीन सेवाओं की गुणवत्ता एवं रिस्पॉन्स टाइम का आकस्मिक परीक्षण करने के उद्देश्य से शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अमरोहा ने कॉलर के रूप में यूपी-112 पर टेस्ट कॉल की। टेस्ट कॉल थाना अमरोहा नगर की पीआरवी संख्या-5354 द्वारा अटैण्ड की गई।

समीक्षा के दौरान उक्त पीआरवी का रिस्पॉन्स टाइम निर्धारित मानक से अधिक पाया गया। पीआरवी कर्मियों द्वारा विलम्ब का कारण टीपी नगर ओवरब्रिज पर यातायात जाम बताया गया।

प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारी को पीआरवी पर नियुक्त पुलिसकर्मियों के विरुद्ध प्रारम्भिक जांच कर 07 दिवस के भीतर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जनपद में यूपी-112 की सेवाओं की गुणवत्ता एवं त्वरित पुलिस सहायता सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के आकस्मिक परीक्षण भविष्य में भी निरंतर किए जाते रहेंगे।

भाकियू (टिकैत) की मासिक पंचायत में उठीं गंगेश्वरी ब्लॉक की समस्याएं, समाधान न हुआ तो आंदोलन की दी चेतावनी



रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) टिकैत की मासिक पंचायत शुक्रवार को ब्लॉक गंगेश्वरी के ब्लॉक सभागार में सम्पन्न हुई। पंचायत की अध्यक्षता चौ० मूलचंद ने की,संचालन महेश पहलवान ने किया।

पंचायत में उपस्थित किसानों ने गंगेश्वरी ब्लॉक की समस्याओं का निराकरण न होने पर गहरी चिंता व्यक्त की। पंचायत को सम्बोधित करते हुए ब्लॉक प्रभारी/अध्यक्ष डॉ० सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि शासन एवं प्रशासन द्वारा गंगेश्वरी ब्लॉक के किसानों की समस्याओं को गम्भीरता से नहीं लिया जा रहा है, जो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बात है। उन्होंने कहा कि यदि समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं हुआ तो भा० कि० यूनियन टिकैत ब्लॉक गंगेश्वरी पर समस्याओं के समाधान होने तक आन्दोलन करने को बाध्य होगी। इस दौरान किसानों ने अपनी मांगों में कहा कि ब्लॉक क्षेत्र से आवारा पशुओं को पकड़कर गौशाला भिजवाया जाये।

गंगेश्वरी ब्लॉक क्षेत्र की चारागाह की भूमि को तत्काल भूमाफियाओं से खाली करवाया जाये। विद्युत विभाग द्वारा गंगेश्वरी ब्लॉक क्षेत्र को निर्बाध एवं शेड्यूल के अनुसार विद्युत आपूर्ति दी जाये। इस दौरान महेश पहलवान, सुरेन्द्र कुमार शर्मा ब्लॉक प्रभारी/अध्यक्ष ब्लॉक गंगेश्वरी, गुलाब सिंह, गिरीराज सिंह, मेघ सिंह, हेत सिंह, मोहम्मद सैफी, देवेंद्र सिंह, टेकचंद, रघुवीर सिंह, योगेश, नरेश त्यागी, निगम त्यागी, हीरालाल, राजेंद्र सिंह, जाहिद ग्राम अध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

तिगरी मेला-2026 की तैयारियों का डीआईजी ने लिया जायजा, सुरक्षा के दिए सख्त निर्देश







अमरोहा (सब का सपना):- आगामी ऐतिहासिक राजकीय तिगरी मेले को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद परिक्षेत्र, मुरादाबाद मुनीराज ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव व जिलाधिकारी अमरोहा डॉ० नितिन गौड़ के साथ मेला स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने मेले की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न गंगा घाटों, पुलिस व्यवस्थापन, पार्किंग स्थल व रुट डायवर्जन व्यवस्था का जायजा लिया। सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत बनाए गए कन्ट्रोल रुम का निरीक्षण करते हुए डीआईजी ने सीसीटीवी कैमरों से सतर्क दृष्टि रखने व ड्रोन कैमरा की मदद से निगरानी कराने के निर्देश दिए, ताकि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा सके और व्यवधान उत्पन्न करने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि कन्ट्रोल रूम से सतर्क दृष्टि रखी जाए, गंगा घाट पर समुचित पुलिस बल लगाकर भीड़ नियंत्रण को प्रभावी बनाया जाए। गंगा नदी के किनारे बनाए जाने वाले घाटों पर उचित प्रकाश की व्यवस्था हो, ताकि श्रद्धालुओं को स्नान करने में कोई समस्या न हो। श्रद्धालुओं के सुगम व सुरक्षित आवागमन हेतु यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के भी निर्देश दिए गए। सोशल मीडिया पर माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले अराजक तत्वों, भड़काऊ बयानबाजी या धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली पोस्ट डालने वालों के खिलाफ सख्त विधिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।तिगरी मेला-2026 को सुगम व सकुशल सम्पन्न कराने हेतु भारी पुलिस फोर्स तैनात किया गया है, जिसमें महिला पुलिस कर्मी, एनडीआरएफ, पीएसी, घुड़सवार पुलिस, होमगार्ड व अन्य पुलिस बल शामिल है, ताकि कोई भी अप्रिय घटना घटित न हो सके। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया व अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

तिगरी-गढ़ मेले को जोड़ने वाले पैंटून पुल का निर्माण शुरू, राष्ट्र सेवी संगठन ने जताया मुख्यमंत्री व विधायक का आभार



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम भदौरा में राष्ट्र सेवी संगठन के राष्ट्रीय संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा के आवास पर संगठन के कार्यकताओं की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से तिगरी गंगा मेले को गढ़मुक्तेश्वर मेले से जोड़ने के लिए बनाए जा रहे पैंटून पुल का निर्माण कार्य शुरू होने पर हर्ष व्यक्त किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और क्षेत्रीय विधायक का हृदय से आभार जताया। उन्होंने कहा कि दोनों ऐतिहासिक मेलों को आपस में जोड़ने के लिए पैंटून पुल के निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी। संगठन द्वारा इस जनहित के मुद्दे को क्षेत्रीय विधायक और मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुखता से उठाया गया था, जिसे शासन स्तर पर स्वीकार कर लिया गया है।

अब पुल का कार्य शुरू होने से लाखों श्रद्धालुओं को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी।

शर्मा ने प्रशासन से यह भी मांग की कि आगामी मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में क्षेत्र की अन्य जनसमस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई और संगठन की मजबूती पर जोर दिया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा, प्रांत गन्ना प्रमुख महिपाल सिंह चौहान, जिला कोषाध्यक्ष धर्मपाल सिंह तथा ब्लॉक अध्यक्ष ओमवीर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ ही राष्ट्र सेवी संगठन के रूपचंद चौहान, खिलेंद्र सिंह, राजपाल सिंह, अशोक शर्मा, सुखदेव शर्मा और सरस्वती शिशु मंदिर चीनी मिल कालाखेड़ा हसनपुर अमरोहा के प्रधानाचार्य महेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे।

खेत में खंबा लगाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट का मामला, चाचा-भतीजे को लाठी डंडों से पीटा, चार पर केस दर्ज



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में खेत में खंबा लगाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट का मामला सामने आया है बताया जा रहा है कि दबंगों ने खेत में पानी चला रहे चाचा भतीजे को लाठी डंडों से मारपीट कर बुरी तरह से घायल कर दिया। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। बता दें कि कोतवाली क्षेत्र के अगरौला कलां गांव का है जहां खेत में पानी चला रहे अब्दुल और उनके भतीजे फरमान के साथ मारपीट हुई। पुलिस ने अब्दुल की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक गांव के रहने वाले अब्दुल पुत्र जहूर शाम करीब 5 बजे खेत में पानी चला रहे थे। फरमान भी उनके साथ था। आरोप है कि इसी दौरान अंसार पुत्र अख्तर अपने परिवार के लोगों के साथ खेत पर पहुंचा। गांव में विरोध करने और उनकी जगह पर खंभा लगाने को लेकर विवाद शुरू हुआ।आरोप है कि विरोध करने पर लोगों ने अब्दुल और फरमान को लात-घूंसों और लाठी-डंडों से पीटा। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर दोनों को बचाया। आरोपियों पर जाते समय जान से मारने की धमकी देकर भागने का भी आरोप है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस की मौजूदगी में मारपीट होने की बात कही है।कोतवाली प्रभारी सत्येंद्र सरोहा ने बताया कि शिकायत के आधार पर अंसार, शादाब, महताब और फरहान निवासी अगरौला कला के खिलाफ केस दर्ज किया गया

भाकियू लोकशक्ति के छह पदाधिकारियों पर दर्ज मुकदमों की निष्पक्ष जांच की मांग, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन



धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के राष्ट्रीय सचिव डॉ. सुमित कुमार नागर के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने तहसील धनौरा में उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नाम ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन के माध्यम से मुरादाबाद जनपद के मुंढापांडे थाना क्षेत्र में भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के छह पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज मुकदमों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई।

बता दें कि संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए तथा यदि किसी के द्वारा गलत तरीके से मुकदमे दर्ज कराए गए हैं तो संबंधित दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।डॉ. सुमित कुमार नागर ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति हमेशा किसानों और आम जनता के अधिकारों की लड़ाई लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से लड़ती आई है। संगठन के पदाधिकारियों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन को पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर पीड़ित पदाधिकारियों को न्याय दिलाना चाहिए।इस दौरान डॉक्टर सुमित कुमार नागर राष्ट्रीय सचिव ,डॉक्टर लोकेश सिंह, चतर सिंह गुर्जर ,सौरभ ,अमन ,बाबूराम, रोहित, राजेश ,ओमपाल, दिनेश कुमार ,मुकेश कुमार, नीरज सिंह , जयसिंह ,जोगिंदर सिंह सुरेंद्र सिंह ,डॉक्टर अशोक , अनुराग त्यागी ,रुकमकेश, मास्टर रणवीर सिंह ,हंस स्वरूप सिंह, संजय कुमार, महावीर, मनीष यादव, अतुल नागर, सतपाल यादव, सोमपाल कटारिया, अजयपाल कटारिया, हुकुम सिंह, मोहित,आदि संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गजरौला हाईवे 9 पर बस ने बाइक सवार दंपती को मारी टक्कर, पत्नी की मौत, पति गंभीर रूप से घायल





गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 9 पर एक बस ने बाइक सवार दंपति को जोरदार टक्कर मार दी इस हादसे में बाइक सवार महिला ममता शर्मा की मौत हो गई जबकि महिला का पति मीनू शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और अग्रिम कार्यवाही में जुट गई।

बता दें कि पूरा मामला थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 9 के जीरो पॉइंट मोहम्मदाबाद गांव के निकट का है। जहां पर एक बाइक सवार दंपत्ति को एक प्राइवेट बस में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार महिला ममता शर्मा की मौत हो गई जबकि महिला का पति मीनू शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ लग गई घटना की सूचना पुलिस को दी गई सूचना पाकर मौके पर पुलिस भी पहुंच गई उधर हादसे की सूचना परिजनों को लगी तो वह भी मौके पर पहुंच गए। उधर मौके पर पहुंची पुलिस महिला को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लेकर पहुंची जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया जिसके बाद पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी देते हुए मृतक महिला के पुत्र श्याम सुंदर ने बताया कि उनके मम्मी पापा शुक्रवार की सुबह भैया दूज के गोले देने के लिए ब्रजघाट अपने भाई के यहां जा रहे थे जैसे ही वह हाईवे स्थित जीरो पॉइंट मोहम्मदाबाद गांव के निकट पहुंचे तो उन्हें एक प्राइवेट बस में जोरदार टक्कर मार दी जिससे उसकी मम्मी की मौत हो गई। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।इस मामले में मृतक महिला के पति मीनू शर्मा ने बस ड्राइवर के खिलाफ तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।पुलिस का कहना है कि मामला संज्ञान में है जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

महिलाओं की सुरक्षा और स्वावलंबन पर जोर, महिला पुलिसकर्मियों ने चलाया जागरूकता अभियान



सम्भल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के तहत शुक्रवार को जनपद सम्भल में महिला पुलिसकर्मियों ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में मिशन शक्ति केंद्रों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं एवं महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

इस दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और महिला संबंधी शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी, उत्पीड़न या असुरक्षा की स्थिति में बिना संकोच पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के अंतर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम ने भी प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया। महिला पुलिसकर्मियों ने बताया कि शासन और पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ उठाकर महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बन सकती हैं। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए पंपलेट वितरित किए। इनमें वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके अलावा मोबाइल में इमरजेंसी कॉल और पैनिक बटन के इस्तेमाल का डेमो देकर भी जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं को साइबर अपराधों से सतर्क रहने, सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करने और किसी भी तरह की परेशानी होने पर तत्काल संबंधित हेल्पलाइन पर सूचना देने की अपील की। पुलिस विभाग का उद्देश्य मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक कर उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना तथा उनके भीतर आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना को मजबूत करना है।

महिलाओं की सुरक्षा और स्वावलंबन पर जोर, महिला पुलिसकर्मियों ने चलाया जागरूकता अभियान

सिम्भावली शुगर मिल पर धरना, कर्मचारियों के बीच पहुंचे गढ़ विधायक





हापुड़ (सब का सपना):- जनपद हापुड़ के सिम्भावली व बृजनाथपुर शुगर मिल के 184 गन्ना क्रय केंद्र काटकर अन्य जनपदों की चीनी मिलों से संबंध कर दिए जाने तथा संभावित शुगर मिल का भविष्य धूमिल नजर आने के विरोध में शुगर मिल के कर्मचारियों ने शुक्रवार को भी सिम्भावली चीनी मिल के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया। कर्मचारी हटाए गए गन्ना केंद्रों को पुनः सिम्भावली व बृजनाथपुर से जोड़े जाने की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का कहना था कि यदि शुगर मिल पर मंडरा रहे खतरे के बादलों को अभी नहीं हटाया गया तो कर्मचारी बेरोजगार हो जाएंगे और उन्हें आर्थिक संकट से जूझना पड़ेगा। कर्मचारियों ने मांग पूरी होने तक धरना जारी रखने का ऐलान किया शुक्रवार को गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक हरेंद्र तेवतिया पहुंचे और मांग के समर्थन में सिम्भावली शुगर मिल्स लेबर यूनियन द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन दिया। कर्मचारियों ने सिम्भावली शुगर मिल पर मंडरा रहे संकट के बादलों को जल्दी हटाने तथा हजारों लोगों को बेरोजगार होने से बचाने की मांग की। आश्वासन दिया कि वह हर संभव मदद करेंगे और कर्मचारी व किसानों की पीड़ा को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचाएंगे। बता दें कि जनपद हापुड़ के सिम्भावली व बृजनाथपुर शुगर मिलों द्वारा किसानों को गन्ने का भुगतान न किए जाने पर 184 गन्ना क्रय केन्द्रों को अन्य जनपदों के शुगर मिलों से संबंध कर दिया गया है।

डेढ़ वर्षों से पत्नी की खोज के लिए अधिकारियों के पास भटक रहा तिलक राज



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- पिछले डेढ़ वर्षों से घर से लापता हुई दिमाग से कमजोर पत्नी मुलिया वती की तलाश में दर-दर और अफसरों के कार्यालयों की खाक छानता फिर रहा पति, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं।

स्थानीय मोहल्ला नेजोवाली गावडी निवासी तिलकराम सैनी की पत्नी श्रीमती मूलियावती जो दिमागी रूप से कमजोर हैं, गत 19 मार्च 2025 से घर से लापता हो गई थी। तिलकराज ने घर से लापता पत्नी की नगीना थाने में गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। बाद में पीड़ित तिलक राज लगातार पुलिस अफसरों के कार्यालय के चक्कर दर चक्कर लगाता आ रहा है, लेकिन कोई भी अफसर उसकी सुनने को तैयार नहीं है। पुलिस अधिकारियों से मायूस होकर तिलक राज ने मीडिया कर्मियों से अपनी फरियाद सुनाते हुए बताया कि उसकी पत्नी मूलियावती पिछले डेढ़ वर्षों से घर से लापता है। उसने बताया कि उसे जानकारी मिली थी कि उसकी पत्नी मूलियावती थाना किरतपुर, थाना मंडावर, चांदक, थाना जेब बालावाली के क्षेत्र में दिखाई देने की जानकारी मिली थी। तभी से तिलक राज सैनी अपनी पत्नी को उक्त क्षेत्रों के गांव-गांव, जंगलों और वीरान स्थानों पर तलाश करता घूम रहा है। पुलिस अधिकारियों को भी किरतपुर, मंडावर, बालावाली, चांदक आदि क्षेत्र में होने की सूचना दी, लेकिन अधिकारियों ने उसकी एक न सुनी। पीड़ित पति का कहना है कि वह अपनी पत्नी की तलाश में अकेला नहीं, बल्कि उसका परिवार भी उक्त क्षेत्रों में रात-दिन तलाश कर रहा है, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिल पा रही है। नम आंखों के साथ तिलकराज सैनी ने बताया कि वह अपनी पत्नी मूलियावती को बहुत प्यार करता है और वह भी बहुत प्यार करती है। हम दोनों एक दूसरे के बगैर नहीं रहते थे। उसने यह भी बताया कि उसकी पत्नी मुलियावती दिमाग से कुछ कमजोर है। इससे पूर्व भी वह घर से जा चुकी थी, लेकिन सूचना मिलने पर वह घर ले आया करता था। तिलक राज का कहना है कि भले ही वह सात फेरों वाली पत्नी को तलाश करते-करते टूट गया है, मेरे चारों बच्चे भी अपनी मां के घर लौटने की आस छोड़ बैठे हों, पर मैं आखिरी सांस तक अपनी पत्नी को तलाश कर घर लाकर ही चैन से बैठूंगा।

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल विकास योजना के अंतर्गत चार पूर्व छात्राओं को प्रशिक्षण हेतु हापुड़ किया रवाना



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- कंपोजिट विद्यालय सैदपुरी महीचंद, विकास खंड कोतवाली, जनपद बिजनौर से चार पूर्व छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नई शुरूआत करने के उद्देश्य से दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल विकास योजना (DDU-GKY 2.0) के अंतर्गत निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण हेतु रवाना किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के मुख्य अध्यापक, रंजना रानी, गिन्नी सिंह, मोनिका राजपूत, मनोज कुमार, अमित कुमार तथा छात्राओं के माता-पिता उपस्थित रहे। सभी की गरिमामयी उपस्थिति में छात्राओं को हरी झंडी दिखाकर VFRES कौशल विकास केंद्र, JPS GLOBAL ACADEM , कस्तला कासमाबाद, निजामपुर, हापुड़ (उत्तर प्रदेश) के लिए रवाना किया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत संचालित है, जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की युवतियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार के अवसरों से जोड़ना तथा आत्मनिर्भर बनाना है।

योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण के साथ-साथ छात्राओं को विभिन्न निःशुल्क सुविधाएं एवं रोजगार प्राप्त करने में सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है। विद्यालय परिवार ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आशा व्यक्त की कि वे प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने कौशल एवं प्रतिभा के बल पर आत्मनिर्भर बनेंगी तथा अपने परिवार एवं क्षेत्र का नाम रोशन करेंगी। विद्यालय परिवार की ओर से चारों छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं के साथ रवाना किया गया। इस मौके पर विद्यालय का पूरा स्टाफ मौजूद रहा।

रफ्तार का कहर: अज्ञात वाहन की टक्कर से दंपति की मौत, परिवार में मचा कोहराम

पति ने मौके पर तोड़ा दम, पत्नी की उपचार के दौरान मौत; पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी





बिजनौर (सब का सपना):- चांदपुर-धनौरा मार्ग पर बबनपुरा पुलिस चौकी के समीप शुक्रवार को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दंपति को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल पत्नी ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत से परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए फरार वाहन और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनपद अमरोहा के बछरायूं स्थित फकीरों वाली मस्जिद निवासी इरशाद पुत्र गफ्फार राजमिस्त्री का काम करते थे। शुक्रवार को वह अपनी पत्नी अंजुम के साथ बाइक से चांदपुर की ओर आ रहे थे। बताया जाता है कि जैसे ही उनकी बाइक बबनपुरा पुलिस चौकी से आगे पहुंची, तभी एक अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि इरशाद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी अंजुम गंभीर रूप से घायल हो गईं।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अंजुम को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्याऊ पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पति-पत्नी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया।

पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं हादसे के बाद फरार हुए अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

राजा का ताजपुर में विकास कार्यों पर उठे सवाल, सफाई से लेकर सरकारी भूमि पर कब्जे तक के आरोप

छह साल से गंदे नाले की सफाई नहीं, सड़कों और लाइटों के निर्माण में सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका; खलिहान की भूमि पर कब्जे का मामला भी चर्चा में



राजा का ताजपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के नूरपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत राजा का ताजपुर में विकास कार्यों और सरकारी धन के इस्तेमाल को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। गांव में कहीं छह साल से गंदे नाले की सफाई नहीं हुई तो कहीं सड़कों और लाइटों के निर्माण को लेकर अनियमितताओं के आरोप लगाए जा रहे हैं। वहीं पशु अस्पताल के बराबर स्थित खलिहान की भूमि पर कथित कब्जे का मामला भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार, करीब डेढ़ साल पहले उमर फारूक मस्जिद के पास नाली का निर्माण कराया गया था और अब वहां नया निर्माण कार्य कराया जा रहा है। लेकिन इसी निर्माण के बराबर से गुजरने वाले गंदे नाले की पिछले करीब छह वर्षों से सफाई नहीं कराई गई है। नाले की सफाई न होने से आसपास के मोहल्ले के लोगों और राहगीरों को दुर्गंध, गंदगी तथा अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सवाल यह है कि जब सफाई के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जा चुके हैं तो फिर नाले की सफाई आखिर क्यों नहीं हुई?ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत में कई स्थानों पर ऐसी सड़कें भी बनाई गई हैं, जहां पांच वर्ष के अंतराल में दो-दो बार निर्माण कार्य कराया गया। पहले से मौजूद खड़ंजों को उखाड़कर उनकी ईंटें कहां इस्तेमाल की गईं या कहां भेजी गईं, यह भी जांच का विषय है। आरोप है कि खड़ंजे हटाने के बाद उन्हीं स्थानों पर सीसी रोड का निर्माण कराया गया।

इसी तरह करीब तीन वर्ष पूर्व गांव में कई स्थानों पर लाइटें लगवाई गई थीं, लेकिन छह माह बाद ही दोबारा बड़ी लाइटें लगा दी गईं। ऐसे में पहले लगाई गई लाइटों और बाद में हुए खर्च का हिसाब सार्वजनिक किए जाने की मांग उठ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इन पांच वर्षों में ग्राम पंचायत में 11 सेक्रेटरी बदल चुके हैं, जो अपने आप में चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं एक अन्य मामला पशु अस्पताल के बराबर स्थित खसरा नंबर 98 का है, जो राजस्व अभिलेखों में खलिहान के रूप में दर्ज बताया जा रहा है। आरोप है कि ग्राम प्रधान ने दबंगई के बल पर उक्त भूमि पर चारदीवारी कराकर ताला लगा दिया है। इस मामले में तहसील प्रशासन की चुप्पी भी सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का कहना है कि सार्वजनिक उपयोग की भूमि को लेकर राजस्व विभाग को निष्पक्ष जांच कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि ग्राम पंचायत में सफाई, सड़क निर्माण, प्रकाश व्यवस्था और सरकारी भूमि की निगरानी की जिम्मेदारी संभालने वाले विभाग आखिर अपनी जिम्मेदारी कब निभाएंगे? ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर सरकारी धन के खर्च का ब्यौरा सार्वजनिक करने तथा खलिहान की भूमि को कब्जामुक्त कराने की मांग की है।

उधर जब खलिहान की भूमि पर कब्जे के संबंध में हल्का लेखपाल से बता हुई तो लेखपाल ने बताया उसकी जांच कराई जाएगी यदि जांच में कब्जा पाया गया तो कब्जा मुक्त कराया जाएगा ।

धनतेरस पर अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के लिए एसपी अभिमन्यु मांगलिक सम्मानित, आदर्श व्यापार मंडल ने जताया आभार



फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद में व्यापारियों एवं सराफा व्यवसायियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए धनतेरस के पावन पर्व पर अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराने वाले पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक की सराहनीय पहल को लेकर आदर्श व्यापार मंडल (गर्ग गुट) ने उनका सम्मान कर आभार व्यक्त किया। आदर्श व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप गर्ग के नेतृत्व में पदाधिकारियों एवं सराफा व्यवसायियों ने पुलिस अधीक्षक को सम्मानित करते हुए कहा कि जनपद के इतिहास में पहली बार धनतेरस पर सराफा कारोबारियों को डोर-टू-डोर सुरक्षा उपलब्ध कराने की ऐसी सराहनीय व्यवस्था देखने को मिली है। एसपी ने किसी अप्रिय घटना का इंतजार किए बिना पहले से ही सुरक्षा का मजबूत इंतजाम कराया। यही एक संवेदनशील, दूरदर्शी और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी की पहचान है। धनतेरस की देर रात तक पुलिसकर्मी दुकानों पर मुस्तैदी से तैनात रहे और दुकानदारों के प्रतिष्ठान बंद होने तक अपनी जिम्मेदारी निभाते रहे। फतेहपुर नगर के साथ खागा, बिंदकी सहित जनपद के विभिन्न कस्बों में भी सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू की गई। व्यापारियों ने कहा कि पुलिस की इस सक्रियता से कारोबारियों में सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत हुई है। व्यापार मंडल ने ड्यूटी पर तैनात सभी पुलिसकर्मियों की भी मुक्तकंठ से सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया।

पदाधिकारियों ने ईश्वर से कामना की कि अभिमन्यु मांगलिक जैसे कर्मठ अधिकारी जनपद में बने रहें, ताकि अपराधियों में कानून का भय और आम नागरिकों एवं व्यापारियों में सुरक्षा का विश्वास कायम रहे। इस अवसर पर संरक्षक अनिल सिंह गौतम, मोहम्मद शमीम, जिलाध्यक्ष अभिनव यादव, जिला महामंत्री एवं पत्रकार अमित शरण बॉबी, युवा जिलाध्यक्ष मोहम्मद इमरान, कोषाध्यक्ष अभय गुप्ता, अमित सोनी, बबलू सोनी, रिंकू सरदार, हर मंगल सिंह सरदार, नगर दक्षिणी अध्यक्ष अभिषेक गुप्ता, विनय कुमार गुप्ता, शंकर लोधी एडवोकेट, विनोद गौतम, सूर्यकांत गुप्ता, अहसान,अहिल ,धर्मेंद्र द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं सराफा व्यवसायी मौजूद रहे।

पत्रकारों का दुर्घटना बीमा चार करोड़ रुपये करने की मांग, भाकियू भानु ने नौ सूत्रीय मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति कुंतल करने, किसान आयोग के गठन और शहीद जवानों के परिजनों को पांच करोड़ रुपये बीमा देने की उठाई मांग, कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अतुल शर्मा का किया स्वागत



बिजनौर (सब का सपना):- पत्रकारों की सुरक्षा और उनके परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए दुर्घटना बीमा चार करोड़ रुपये किए जाने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने आवाज बुलंद की। शुक्रवार को संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गन्ना समिति परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। इसके बाद जुलूस के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम संबोधित नौ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व भारतीय किसान यूनियन (भानु) के राष्ट्रीय मुख्य महासचिव एवं समीक्षा संगठन प्रभारी उत्तर प्रदेश वीरेंद्र सिंह गुर्जर प्रधान ने किया। ज्ञापन में पत्रकारों का दुर्घटना बीमा चार करोड़ रुपये किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। संगठन का कहना है कि पत्रकार विषम परिस्थितियों में अपनी जान जोखिम में डालकर समाज तक खबरें पहुंचाते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और परिवारों के आर्थिक भविष्य को देखते हुए सरकार को पत्रकारों के लिए पर्याप्त दुर्घटना बीमा की व्यवस्था करनी चाहिए।

इसके साथ ही संगठन ने किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए गन्ने का मूल्य बढ़ाकर 600 रुपये प्रति कुंतल करने तथा किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए किसान आयोग का गठन करने की मांग की। किसान दुर्घटना बीमा की राशि बढ़ाकर एक करोड़ रुपये करने, बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने और ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू बिजली दरें कम करने की मांग भी उठाई गई।ज्ञापन में अमरोहा के रसूलपुर से संभल तक गंगा नदी पर तटबंध निर्माण कराने, शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को दो करोड़ रुपये का बीमा लाभ देने तथा तीनों सेनाओं और अन्य सुरक्षा बलों के शहीद जवानों के लिए पांच करोड़ रुपये का दुर्घटना बीमा दिए जाने की मांग भी शामिल रही।इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (भानु) के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अतुल शर्मा का संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया। कार्यकताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी और संगठन को मजबूत बनाने की उम्मीद जताई। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि किसान, पत्रकार, युवा और देश की सुरक्षा में तैनात जवान समाज की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इन सभी वर्गों की सुरक्षा और सम्मान के लिए सरकार को मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द निर्णय लेना चाहिए। प्रदर्शन में राष्ट्रीय मुख्य उपाध्यक्ष भाग सिंह, जिला प्रभारी विनोद कुमार, युवा मंडल अध्यक्ष शारिक मलिक, मंडल अध्यक्ष सुरेश चंद सागर, युवा प्रदेश महासचिव फरहाज पठान, जिला महासचिव यशपाल सिंह, जिला सचिव महेंद्र सिंह, मौ. अयान सैफी, मौ. अल्तमश, समीर अली, नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अतुल शर्मा, साहिल, सुहेल, हिमांशु कुमार, कपिल कुमार, सुरेंद्र कश्यप, पवन सिंह और ओमपाल कश्यप सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला युवा उत्सव में युवाओं ने दिखाई प्रतिभा, विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं को किया गया सम्मानित



फतेहपुर (सब का सपना):- युवा कल्याण विभाग फतेहपुर के तत्वावधान में बुधवार, 18 नवंबर 2026 को महर्षि विद्या मंदिर, फतेहपुर में जिला युवा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला युवा कल्याण अधिकारी शशि भूषण शर्मा, जिला प्रशिक्षण अधिकारी सलीम खान एवं महर्षि विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। रंगारंग कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की स्तुति एवं वंदना से हुई। उत्सव में लोकनृत्य (एकल एवं समूह), लोक गायन (समूह), नुक्कड़ नाटक, पेंटिंग और कविता लेखन सहित विभिन्न विधाओं में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में लोकगीत (समूह) में महर्षि विद्या मंदिर इंटर कॉलेज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लोकनृत्य (समूह) में महर्षि विद्या मंदिर फतेहपुर प्रथम, सरस्वती विद्या मंदिर द्वितीय तथा जयपुरिया स्कूल कुटेपुर तृतीय स्थान पर रहा। नुक्कड़ नाटक में महर्षि विद्या मंदिर फतेहपुर ने प्रथम स्थान हासिल किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में मनु कुमार प्रथम, पूजा द्वितीय एवं अनूप कुमार तृतीय स्थान पर रहे। वहीं कविता लेखन में कृष्णा सिंह ने प्रथम, अर्शिता शुक्ला ने द्वितीय तथा निमिषा सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अपर जिलाधिकारी विनय पाठक ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी ने बच्चों को नशामुक्त युवा एवं विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अमित, अंकित, सर्वेश, आशीष सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्ति की शपथ लेते हुए जीवन में कभी भी नशा न करने का संकल्प लिया।

20 पाउच देशी शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए ग्राम आलेअलीपुर में पानी की टंकी के पास से एक व्यक्ति को 20 पाउच देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की है।पुलिस के अनुसार, 10 नवंबर की रात उपनिरीक्षक अजीत कुमार, हेड कांस्टेबल ब्रजेश कुमार और कांस्टेबल भूषण कुमार चित्तौड़गढ़ पुलिस चौकी क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि एक व्यक्ति शराब लेकर ग्राम आलेअलीपुर से धर्मशा नंगली की ओर जाने वाला है। सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम आलेअलीपुर में पानी की टंकी के पास घेराबंदी कर दी। कुछ देर बाद हाथ में थैला लेकर आ रहे एक व्यक्ति ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया।पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम योगेश्वर उर्फ छोटू (55) पुत्र रतिराम निवासी ग्राम धर्मशा नंगली बताया। तलाशी लेने पर उसके थैले से देशी शराब सुनामी नंबर-1 के 20 पाउच बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक, आरोपी शराब रखने का लाइसेंस नहीं दिखा सका। पूछताछ में उसने बताया कि वह कालाखेड़ी स्थित शराब के ठेके से शराब लाकर प्रति पाउच 10 रुपये मुनाफे पर बेचता था।पुलिस ने आरोपी को रात करीब 10:35 बजे गिरफ्तार कर लिया। बरामद शराब में से दो पाउच नमूने के लिए अलग रखकर शेष 18 पाउच सील कर दिए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 60(1) आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की है।

एसपी ने शुक्रवार साप्ताहिक परेड की ली सलामी, अनुशासन और फिटनेस पर दिया जोर





फतेहपुर (सब का सपना):- पुलिस लाइन परेड ग्राउंड, जनपद फतेहपुर में शुक्रवार को साप्ताहिक परेड का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक ने परेड की सलामी ली तथा परेड का निरीक्षण किया। परेड में पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी/कर्मचारीगण, यातायात शाखा तथा पुलिस लाइन में नियुक्त कर्मचारीगण सम्मिलित रहे। परेड के दौरान पुलिस कर्मियों में अनुशासन, एकरूपता और चुस्ती देखने को मिली। पुलिस कर्मियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रखने हेतु दौड़ कराई गई। परेड के दौरान अनुशासन एवं एकरूपता बनाए रखने के उद्देश्य से टोलीवार ड्रिल को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। परेड के उपरांत एसपी ने पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर गार्ड, परिवहन शाखा तथा पीआरवी वाहनों का निरीक्षण किया। इसके उपरांत उन्होंने साप्ताहिक अर्दली रूम के दौरान विभिन्न रजिस्टरों का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन सहित अन्य अधिकारीगण मौके पर उपस्थित रहे।

डांट से क्षुब्ध किशोरी ने कुएं में लगाई छलांग, दूसरे दिन मिला शव

पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने निकाला शव





जहानाबाद/फतेहपुर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम बुढ़वा में मां की डांट से क्षुब्ध होकर 16 वर्षीय किशोरी ने गांव के बाहर स्थित करीब 70 फुट गहरे सकरे कुएं में छलांग लगा दी। घटना के बाद परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे, लेकिन कोई पता नहीं चल सका। बुधवार दोपहर ग्रामीणों ने कुएं में किशोरी का शव उतराता देखा तो परिजनों और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की संयुक्त टीम ने करीब चार घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाकर देर रात शव को बाहर निकाला।

जानकारी के अनुसार, ग्राम बुढ़वा निवासी ऊदल की पत्नी फूलन ने मंगलवार को किसी बात को लेकर अपनी 16 वर्षीय पुत्री को डांट दिया था। बताया जाता है कि इससे क्षुब्ध होकर कंचन चुपचाप घर से निकल गई और करीबगांव के अंदर स्थित पुराने कुएं में छलांग लगा दी। कुआं काफी गहरा और सकरा था। उसके आसपास पुआल जमा होने के कारण किशोरी के कुएं में गिरने की किसी को भनक तक नहीं लग सकी। उधर किशोरी के घर नहीं लौटने पर परिजन देर रात तक उसकी तलाश करते रहे, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला।

बुधवार दोपहर बाद एक ग्रामीण की नजर कुएं में उतराते शव पर पड़ी तो उसने इसकी जानकारी परिजनों को दी। परिजनों ने तत्काल पीआरवी को सूचना दी। जानकारी मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव निकालने का प्रयास किया, लेकिन कुएं की गहराई और कम व्यास होने के कारण सफलता नहीं मिली। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया गया। बुधवार शाम करीब पांच बजे से रेस्क्यू अभियान शुरू हुआ। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रात लगभग दस बजे किशोरी के शव को कुएं से बाहर निकाला।

घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। इस संबंध मे थाना प्रभारी योगेश कुमार नें बताया की घरवालों का कहना की लड़की पराली लेने गई थी पैर फिसल जाने से कुंवे मे डूब गई बाड़ी पोस्टमार्टम के लिए भेजी गई है

असोथर, नियमों की खुलेआम अनदेखी, गैर जनपद से आ रहे मोरम लदे ओवरलोड वाहन बेखौफ दौड़ रहे असोथर की सड़कों पर





असोथर/फतेहपुर (सब का सपना):- असोथर थाना क्षेत्र में नियम-कानून सिर्फ कागजों तक सीमित होकर रह गए हैं। यहां गैर जनपदों से आने वाले मोरम लदे ओवरलोड वाहन नियमों की खुलेआम अनदेखी कर बेखौफ सड़कों पर दौड़ रहे हैं। न ओवरलोड का डर, न परमिट का डर, न ही चेकिंग का डर। बांदा जनपद से मोरम लादकर आ रहे डंपर कौहन-मर्का यमुना पुल से होते हुए असोथर थाना क्षेत्र में प्रवेश करते हैं। इन वाहनों में क्षमता से कई गुना अधिक मोरम लदा होता है। न तो इनके पास सही परमिट होता है और न ही एमएम-11 जैसे जरूरी कागजात, फिर भी ये वाहन दिन-रात असोथर की सड़कों को रौंद रहे हैं।

नियमों के अनुसार ओवरलोड वाहन नहीं चल सकते, मोरम का परिवहन बिना परमिट और बिना तरपाल ढके नहीं हो सकता, रात में तेज गति से वाहन नहीं दौड़ सकते। लेकिन असोथर में इन सभी नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। बिना नंबर प्लेट, बिना तरपाल, बिना लाइट के भी कई डंपर दौड़ते देखे जा सकते हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि खनन, परिवहन और पुलिस विभाग की मिलीभगत के बिना यह खेल संभव ही नहीं है। चेकिंग के नाम पर कभी-कभार एक-दो वाहनों को पकड़कर खानापूर्ति कर दी जाती है, जबकि सैकड़ों वाहन रोज निकल जाते हैं। ओवरलोड वाहनों के कारण असोथर क्षेत्र की सड़कें टूटकर गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। कौहन-मर्का यमुना पुल भी ओवरलोड के बोझ से हिलने लगा है। धूल, शोर और तेज गति के कारण ग्रामीणों का जीना दूभर हो गया है।

आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। असोथर के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी फतेहपुर से मांग की है कि गैर जनपद से आने वाले ओवरलोड मोरम वाहनों पर तत्काल रोक लगाई जाए, कौहन-मर्का पुल और असोथर बॉर्डर पर स्थाई चेक पोस्ट बनाई जाए और नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन मालिकों और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

चंडीगढ़ के चिन्नी हत्याकांड में शूटर की पेशी टली, पटियाला जेल की बत्ती गुल होने से नहीं हो सकी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग



चंडीगढ़। शहर के चर्चित चिन्नी कुबाहेड़ी हत्याकांड में बुधवार को मुख्य शूटर राजन उर्फ पीयूष पहलवान को चंडीगढ़ जिला अदालत में पेश किया जाना था। वह इस समय पटियाला जेल में बंद है और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से उसे पेश किया जाना था, लेकिन इससे पहले ही जेल में पावर फेलियर हो गया। पटियाला जेल की बिजली गुल हो गई, जिस कारण राजन को चंडीगढ़ कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका। हालांकि, बुड़ैल जेल और करनाल जेल में बंद अन्य आरोपितों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया गया। ऐसे में जज ने अगली तारीख पर उसे फिर से पेश किए जाने के आदेश जारी कर दिए।मामले में अगली सुनवाई 16 नवंबर को होगी। इस मामले में राजन समेत आठ आरोपित हैं। 18 मार्च को सेक्टर-9 में प्रॉपर्टी डीलर चमनप्रीत सिंह उर्फ नागरा उर्फ चिन्नी कुबाहेड़ी की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। चिन्नी की हत्या की साजिश सेक्टर-35 निवासी अमरीन कौर ने रची थी और मोहाली निवासी हर्ष सोहाणा ने उसका साथ दिया था। उन्होंने विदेश बैठे गैंगस्टर लक्की पटियाल के जरिए चिन्नी की हत्या करवाई थी। प्रॉपर्टी डील में धोखा, फिर हुई दुश्मनी

केस के मुताबिक अमरीन ने कुछ समय पहले चिन्नी से न्यू चंडीगढ़ में एक प्रॉपर्टी खरीदी थी। अमरीन को लगता था कि चिन्नी ने उसे धोखा दिया और मौजूदा कीमत से कहीं महंगी प्रॉपर्टी उसे बेच दी। इसके अलावा चिन्नी ने उसे प्रॉपर्टी का कब्जा भी नहीं दिया था, जिस कारण उसे काफी नुकसान हुआ था।इस कारण दोनों में विवाद हो गया। इस बीच अमरीन की मुलाकात हर्ष से हुई। हर्ष ने अमरीन की बात लक्की पटियाल से करवाई। उनके बीच इंटरनेट मीडिया और कुछ एनक्रिप्टेड मोबाइल एप्स के जरिए बातचीत होती थी। अमरीन ने चिन्नी की हत्या के बदले लक्की पटियाल को मोटी रकम देने का वादा किया था। फिर 18 मार्च को दो शूटरों ने सेक्टर-9 में चिन्नी की गोलियां मारकर हत्या कर दी। वारदात के अगले ही दिन पंजाब पुलिस ने दोनों शूटरों फिरोजपुर निवासी राजन उर्फ पीयूष पहलवान और नवांशहर निवासी प्रीतम शाह को गिरफ्तार कर लिया था।

होशियारपुर में मुख्यमंत्री नायब सैनी की हुंकार, नशे और अधूरे वादों पर पंजाब सरकार को घेरा



दसूहा (होशियारपुर)। भाजपा की ओर से दसूहा में आयोजित कार्यक्रम में शुक्रवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विशेष रूप से पहुंचे। इस दौरान भाजपा के स्थानीय नेताओं और कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में उन्होंने पंजाब की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, नशे की समस्या और आम आदमी पार्टी की सरकार को लेकर जमकर निशाना साधा।

जनसभा को संबोधित करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब आज नशे समेत कई गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। आम आदमी पार्टी ने सत्ता में आने से पहले जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन इनमें से एक भी वादा पूरी तरह पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि पंजाब की भोली-भाली जनता अब सरकार की नीयत और कार्यशैली को पहचान चुकी है। यही वजह है कि प्रदेश में बदलाव की जमीन तैयार हो रही है।2027 में भाजपा को सत्ता सौंपेगी जनता हरियाणा के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में पंजाब की जनता आम आदमी पार्टी को मुंहतोड़ जवाब देगी और भाजपा को सरकार बनाने का मौका देगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार के पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद जनता अपने वोट की ताकत से जवाब देगी।चन्नी को अब याद आई अवैध माइनिंग सैनी ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि चन्नी को अब पंजाब में हो रही अवैध माइनिंग की याद आ रही है, जबकि उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रदेश में अवैध माइनिंग की समस्या कांग्रेस सरकार के कार्यकाल से ही चली आ रही है। उन्होंने मौजूदा भगवंत मान सरकार को भी विभिन्न मुद्दों पर घेरा।

हरियाणा के खिलाड़ियों ने दुनिया में मनवाया लोहा

नायब सिंह सैनी ने हरियाणा की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश के युवाओं ने खेलों के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। हरियाणा के नौजवानों ने मेहनत और लगन से देश-दुनिया में प्रदेश का नाम रोशन किया है।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकताओं में उत्साह देखने को मिला। सैनी ने कार्यकताओं से एकजुट होकर पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

'ऑल इज वेल' के दावों के बीच दूसरे दिन भी साइकिल यात्रा से दूर रहे राजा वड़िंग, लुधियाना पहुंचे चरणजीत चन्नी



लुधियाना। पंजाब में कांग्रेस पार्टी की ओर से 'जवानी संभाल यात्रा, पंजाब मंगदा इंसाफ' के तहत निकाली जा रही साइकिल यात्रा शुक्रवार को लुधियाना पहुंची। यात्रा में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पूर्व कैबिनेट मंत्री भारत भूषण आशु, विक्रमजीत सिंह बाजवा सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। हालांकि लुधियाना के सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग दूसरे दिन भी नजर नहीं आए। दूसरे दिन भी उनके यात्रा से नदारद रहने पर कई सवाल भी उठे हैं। लगातार दूसरे दिन गैर-मौजूदगी के बाद पंजाब कांग्रेस में सब ठीक के दावों पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि सूचना है कि अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग अपने व्यस्त शेड्यूल के कारण शहर से बाहर हैं।चन्नी के साथ सेल्फी लेते दिखे लोग चरणजीत सिंह चन्नी की इस साइकिल यात्रा का शहर में स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान चंडीगढ़ रोड के झब्बेवाल, जमालपुर सहित आसपास के इलाकों में कांग्रेस नेताओं की भीड़ देखने को मिली। मुख्य सड़क पर यात्रा के पहुंचने के दौरान लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को अपने बीच देखकर बड़ी संख्या में लोग उनके साथ सेल्फी लेने के लिए उमड़ पड़े। युवाओं के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने भी उनके साथ तस्वीरें खिंचवाकर अपना उत्साह जाहिर किया।

पंजाब के पल्लणपुर में 27 नवंबर से सजेगा घोड़ों का मेला, तीन दिन दिखेगा घुड़सवारी का दमखम



मोहाली। घोड़ों की टाप, घुड़सवारों का कौशल और रोमांचक मुकाबले... गांव पल्लणपुर में नवंबर के आखिरी सप्ताह में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिलेगा। यहां 27 से 29 नवंबर तक पंजाब घुड़सवारी मेले का तीसरा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में शो जंपिंग डर्बी, टेंट पेगिंग, ड्रेसेज और जिमखाना सहित घुड़सवारी के कई मुकाबले होंगे। खास बात यह है कि मेले में आम लोगों के लिए प्रवेश निश्शुल्क रहेगा। डिप्टी कमिश्नर अदित्य डचलवाल ने वीरवार को अपने कार्यालय में मेले का पोस्टर जारी करते हुए बताया कि जिला प्रशासन की पहल पर शुरू हुआ यह आयोजन अब पंजाब के प्रमुख घुड़सवारी आयोजनों में शामिल हो चुका है। पिछले वर्ष आयोजित दूसरे महोत्सव में तीन दिनों के दौरान करीब 4000 दर्शक पहुंचे थे। इसमें 250 घोड़ों, 350 घुड़सवारों और 15 टीमों ने हिस्सा लिया था। इस बार मेले का मुख्य आकर्षण एफईआई के नियमों के अनुसार होने वाली शो जंपिंग डर्बी होगी। इसके अलावा टेंट पेगिंग, ड्रेसेज, जिमखाना और देसी घोड़ों की विभिन्न नस्लों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। मुकाबलों में पंजाब और अन्य राज्यों के घुड़सवारों के साथ सेना और पुलिस की टीमें भी हिस्सा लेंगी। घुड़सवारी मुकाबलों के साथ पंजाब की लोक संस्कृति और परंपराओं को दर्शाने वाली प्रस्तुतियां भी होंगी।2022 में हुई थी पहली डर्बी

डीसी ने बताया कि वर्ष 2022 में चंडीगढ़ हॉर्स शो के दौरान टीम रैंच के सहयोग से मोहाली में पहली बार शो जंपिंग डर्बी आयोजित की गई थी। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए द रैंच क्लब में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विशेष डर्बी ट्रैक तैयार किया गया है। इससे एफईआई के नियमों के अनुसार मुकाबले करवाने का रास्ता खुला है। उन्होंने कहा कि पंजाब घुड़सवारी मेला प्रदेश की समृद्ध घुड़सवारी विरासत को सामने लाने के साथ युवा घुड़सवारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच भी प्रदान करेगा। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (विकास) सोनम चौधरी को आयोजन का संयोजक बनाया गया है। चंडीगढ़ हॉर्स शो के संस्थापक दीपइंदर सिंह बराड़ और हरजिंदर सिंह खोसा मानद तकनीकी सलाहकार की भूमिका निभाएंगे। सुबह 8 से शाम 7 बजे तक होंगे मुकाबले

27 से 29 नवंबर तक प्रतिदिन सुबह आठ बजे से शाम सात बजे तक कार्यक्रम आयोजित होंगे। दर्शकों के लिए प्रवेश पूरी तरह निश्शुल्क रहेगा। डीसी ने लोगों से परिवार सहित पहुंचकर घुड़सवारी के रोमांच और पंजाब की सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होने की अपील की है।

चंडीगढ़ निगम चुनाव के लिए आप की पहली सूची जारी, 9 उम्मीदवार घोषित; जानें किस वार्ड से मैदान में कौन?

चंडीगढ़। चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव दिसंबर में प्रस्तावित हैं और तारीख की घोषणा इसी महीने हो सकती है। आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। 9 वार्डों के लिए उम्मीदवार घोषित किए गए हैं। वहीं, कांग्रेस और भाजपा अभी अपने संभावित दावेदारों के नामों पर मंथन कर रही हैं। सूची पर आप के चंडीगढ़ प्रभारी जरनैल सिंह और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजय पाल सिंह के हस्ताक्षर हैं। इस सूची में महिला आरक्षण के चलते बदले राजनीतिक समीकरणों की झलक भी दिखाई दे रही है। वार्डवार घोषित उम्मीदवारों की सूची

वार्ड-1 से दिलदार सिंह
वार्ड 21 से गुरप्रीत कौर लड्डी
वार्ड 22 से अंजू कत्याल
वार्ड 23 से ओंकार सिंह औलख
वार्ड 24 से कुलदीप कुमार
वार्ड 25 से राधिका ढींगरा
वार्ड 27 से अजीत सिंह जिंद
वार्ड 30 से सतनाम कौर



वार्ड 32 से अरुण प्रभा खुरचा

अंजू कत्याल को दोबारा टिकट

वार्ड 22 से अंजू कत्याल को दोबारा उम्मीदवार घोषित किया गया है। वह मौजूदा पार्षद हैं। वार्ड 25 महिला के लिए आरक्षित होने के बाद पार्षद योगेश ढींगरा की पत्नी राधिका ढींगरा को उम्मीदवार बनाया गया है।हरदीप के वार्ड से उनकी भाभी लड़ेंगी चुनाव

इसी तरह पार्षद हरदीप सिंह के वार्ड के महिला आरक्षित होने के बाद उनकी भाभी को चुनावी मैदान में उतारा गया है। जसवीर सिंह लड्डी के वार्ड में भी महिला आरक्षण लागू होने के कारण उनकी पत्नी को चुनाव मैदान में उतारा गया है। आप की पहली सूची से साफ है कि पार्टी ने कुछ वार्डों में पुराने राजनीतिक और पारिवारिक समीकरणों को ध्यान में रखकर उम्मीदवारों का चयन किया है। खासकर महिला आरक्षित वार्डों में मौजूदा पार्षदों के परिवारों को प्राथमिकता देकर पार्टी ने अपने स्थानीय राजनीतिक आधार को बनाए रखने की कोशिश की है। नगर निगम के 35 वार्डों के लिए चुनाव दिसंबर में प्रस्तावित हैं। ऐसे में पहली सूची जारी कर आप ने अपने उम्मीदवारों को प्रचार और जनसंपर्क के लिए समय देने की रणनीति अपनाई है।

पूर्व डिप्टी डायरेक्टर प्रभदीप नत्थोवाल शिअद में शामिल, सुखबीर बादल ने रायकोट से घोषित किया प्रत्याशी



लुधियाना। कुछ दिन पहले पंजाब पब्लिक रिलेशन डिपार्टमेंट से इस्तीफा देने वाले डिप्टी डायरेक्टर प्रभदीप सिंह नत्थोवाल ने अब शिरोमणि अकाली दल में शामिल हो गए। पार्टी प्रधान सुखबीर बादल ने उन्हें एक जनसभा के दौरान पार्टी जॉइन करवाई है। पार्टी जॉइन करते ही उन्हें एक नई जिम्मेदारी भी सौप दी गई है। सुखबीर बादल ने जनसभा में संबोधन के दौरान प्रभदीप नत्थोवाल को रायकोट से शिअद उम्मीदवार घोषित कर दिया है। इतना ही नहीं, सुखबीर बादल ने ये भी जानकारी दी कि नत्थोवाल काफी लंबे समय से उनके संपर्क में थे। नेक ईमानदार व्यक्ति हैं प्रभदीप सुखबीर ने प्रभदीप नत्थोवाल को पार्टी जॉइन करवाते समय काफी तारीफ भी की। सुखबीर ने मंच से कहा कि वह काफी समय से नत्थोवाल को पार्टी में शामिल करने के लिए प्रयासरत थे। नत्थोवाल एक एक नेक ईमानदार व्यक्ति हैं। उनके पॉर्टी जाइन करने से जहां संगठन मजबूत होगा, वहीं पार्टी का इलाके में जनसंपर्क भी बढ़ेगा।सुखबीर ने कहा था चुनाव लड़ें प्रभदीप नत्थोवाल ने जनसभा को संबोधित करते हुए सुखबीर बादल का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि वह काफी समय से शिअद में शामिल होकर राजनीतिक कैरियर शुरू करना चाहते थे। इससे पहले भी सुखबीर बादल से उनकी कई बार भेंट हुई। वह उन्हें चुनाव लड़ने के लिए कह रहे थे, लेकिन उस वक्त परिस्थितियां अनुकूल नहीं थी। अब वह पार्टी में शामिल होकर सेवा करेंगे।

रबी में लगायें गेहूं

कमांड क्षेत्रों में दो फसल या आंशिक क्षेत्रों में तीन फसली कार्यक्रम के चलते आमतौर पर गेहूं की बुआई पिछड़ जाती है। पिछले 3 वर्षों से मानसून का मिजाज कुछ इस तरह बदला की खरीफ की प्रमुख फसल सोयाबीन की बुआई जुलाई की सीमा पारकर गई और उसकी कटाई में विलम्ब होने के कारण भूमि में नमी भी अपर्याप्त रह गई फलस्वरूप गेहूं की विलम्ब से बुआई करने की मजबूरी चुनौती बनकर उभरी, कपास, मिर्च, गन्ना काटने के बाद भी यही समस्या सामने रहती है। इस तरह गेहूं की पिछेती बुआई का रकबा सितंबर तक बढ़ता ही जा रहा है। उत्पादन में आंशिक फर्क ही आ पाये इस लिये पिछली गेहूं की बुआई तकनीकी का प्रार्दुभाव हुआ जिसे कृषकों को अंगीकरण करना आज की आवश्यकता बन गई है।



बीज दर- 125 किलो/हे.

गेहूं की फसल की बुवाई के समय 20-25 डिग्री सेल्शियस तापमान होना उपयुक्त रहता है। जिससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा फसल का जमाव अधिक व जल्दी होता है। किंतु दिसम्बर-जनवरी माह में पिछेती गेहूं की बुवाई के समय तापमान घटकर 10 डिग्री सैल्शियस के आसपास आ जाता है जिससे बीजों का अंकुरण धीरे होता है तथा पौधों का जमाव कम व देर से होता है। अतः बीजों का जल्दी अंकुरण प्राप्त करने, अंकुरण क्षमता बढ़ाने व कम तापमान से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए उपयुक्त बीजोपचार करना चाहिए।

बीजोपचार

परीक्षणों से पता चलता है कि 4-5 प्रतिशत पोटेशियम डाई सल्फेट या 0.1 प्रतिशत साइकोसिल या 2.5-3.0 प्रतिशत सोडियम क्लोराईड (साधारण नमक) के घोल में 18-24 घंटे डुबोकर बीज उपचार करने से न केवल बीजों के अंकुरण पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है बल्कि इससे पौधों का जमाव भी अधिक व जल्दी होता है। इसके अतिरिक्त पौधों में अधिक ठंड से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव के प्रति लड़ने की क्षमता बढ़ जाती है। उपरोक्त सभी कारणों से सामान्य बीज की अपेक्षा 2-3 क्विं. प्रति हेक्टेयर की उपज में वृद्धि होती है।

बीज जनित रोगों से बचाव हेतु दो ग्राम पारद फफूंदनाशी या थायरम या दो से ढाई ग्राम मेन्कोजेब प्रति किलो बीज की दर से बीज को उपचारित कर बुवाई के काम में लें। अनावृत कण्डुआ एवं पात कण्डुआ का प्रकोप हो वहां नियंत्रण हेतु वीटावेक्स या कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीज को उपचारित करें।

बीज एवं बुवाई

अधिक बीज दर रखने के कारण कतारों की दूरी कम करके 18-20 सेंटीमीटर रखना लाभदायक रहता है. पौधों के बीच की दूरी 6 से 8 सेन्टीमीटर तक रखी जाती है। परीक्षणों से ये ज्ञात हुआ है कि गेहूं की प्रचलित विधियों की अपेक्षा क्रास (आर-पार) बुवाई से उत्पादन में 4.5 क्विं./हेक्टे. वृद्धि हो जाती है। इस विधि को अपनाने पर पौधों के बीच की प्रतिस्पर्धा कम हो जाती है। गेहूं की अधिक पैदावार लेने के लिये बीज की मात्रा व कतारों की दूरी इस प्रकार निर्धारित करनी चाहिए कि प्रति वर्ग मीटर 400-500 बाली युक्त पौधे प्राप्त किये जा सकें। बुवाई 4-5 सेन्टीमीटर की गहराई पर करना चाहिए।

पिछेती गेहूं में 130-200 किलो यूरिया, 250-280 किलो सिंगल सुपर फास्फेट तथा 33-40 किलो म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हैक्टेयर की आवश्यकता होती है। मिट्टी की उर्वराशक्ति तथा बोई जाने वाली किस्म की उत्पादकता तथा पिछेती गेहूं से पूर्व में ली गई फसल के अनुसार नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश की मात्रा कुछ घटाई-बढ़ाई जा सकती है। तापक्रम कम होने के कारण मृदा में उपस्थित फास्फोरस की उपलब्धता कम हो जाने के कारण गेहूं की प्रारंभिक बढ़वार कम होती है इसलिये पिछेती गेहूं की अच्छी उपज लेने के लिये फास्फोरस का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है. जस्ते की कमी वाले क्षेत्रों में, विशेषकर धान-गेहूं फसल पद्धति अपनाई जाती हो, बुवाई से पूर्व प्रति हेक्टेयर 25 किलो जिंक सल्फेट या 10 किलो चिलेटेड जिंक नाइट्रोजन के साथ मिला कर दें। जिन खेतों में मैंगनीज की कमी पायी जाये वहां बुवाई के समय 20 किलो मैग्नीज सल्फेट उर्वरकों के साथ ऊर कर दें. फास्फोरस तथा पोटाश की पूरी मात्रा तथा नाइट्रोजन की भारी मिट्टी में आधी तथा हल्की रेतीली मिट्टी में एक तिहाई मात्रा बुवाई के समय ऊर कर दें। भारी मिट्टी के लिये शेष आधी मात्रा पहली या दूसरी सिंचाई के साथ दें। खड़ी फसल में नाइट्रोजन सामान्यतः पहली सिंचाई की अपेक्षा दूसरी सिंचाई के बाद देना लाभप्रद है।

हल्की मिट्टी में शेष बची दो तिहाई मात्रा में से एक तिहाई पहली सिंचाई तथा एक तिहाई दूसरी सिंचाई के साथ यूरिया उर्वरक के रूप में दें। पहली सिंचाई बुवाई के 25-27 दिन बाद दें। किंतु मध्य फरवरी के बाद तापमान बढ़ जाता है व बालियां निकलने के बाद से फसल पकने तक फसल को गर्म व कुछ तेज हवाओं का सामना करना पड़ता है जिससे फसल की जल मांग भी बढ़ जाती है साथ ही दूधिया अवस्था, फूल आने की अवस्था तथा दाना सख्त होने की अवस्था सिंचाई हेतु क्रान्तिक अवस्थायें होती हैं। अतः इस समय भूमि में पर्याप्त नमी का होना अति आवश्यक है। अतः इस समय सिंचाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए अन्यथा दाना पतला पड़ जाता है फलस्वरूप उपज कम होने का भय रहता है। इन चारों अवस्थाओं के अतिरिक्त गेहूं की कल्लों के अच्छी तरह निकल जाने की अवस्था तथा तने में गांठें बनने की अवस्था भी सिंचाई की दृष्टि से क्रान्तिक अवस्थायें होती हैं। अतः इस समय भी खेत में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए। सिंचाई हल्की करना चाहिए। विशेषकर फूल आने के बाद जिससे मार्च-अप्रैल में चलने वाली गर्म व तेज हवाओं से फसल आड़ी न गिर पाये। कुल मिलाकर पिछेती गेहूं में समय से बुवाई की अपेक्षा 1-2 अधिक सिंचाईयों की आवश्यकता होती है।



बुवाई का उपयुक्त समयः-25 दिसम्बर तक

किस्मों का चुनावः पिछेती गेहूं के लिये गेहूं की किस्मों का चयन करते समय विशेष ध्यान रखना चाहिए। पिछेती बुवाई के लिये उन किस्मों को बोना चाहिये जो कम समय में पकने वाली हों क्योंकि देरी से बुवाई करने पर पकते समय तापक्रम अधिक होने से पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अतः कम समय में पकने वाली किस्मों को बोने से स्थानीय तापक्रम बढ़ने से पहले पकने लग जायेगी तथा इसकी पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। पिछेती गेहूं की बुवाई के लिये कई किस्मों को बोने की सिफारिश की गई है जिनमें राज 3777, राज 3765, राज 3077, एच.डी. 2285. एन.डी.2236, राज 2184, लोक-1, जी.डब्ल्यू.173, जी. डब्ल्यू. 273, एच.आई. 8498, डी. एल. 803, डीएल 788-2, आभा, जे.डब्ल्यू 4010, एम.पी. 1202 इत्यादि.



चना फसल से बढ़ेगा उत्पादन

चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।



खेत की तैयारी

खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों में सितम्बर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार-बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर देना चाहिए व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें। अथवा पलेवा लगाकर बोनी करें।

उर्वरकों का उपयोग

दलहनी फसल होने के कारण चने को 743 कि.ग्रा. यूरिया व 373 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट की आवश्यकता सिंचित अवस्था में होती है एवं असिंचित अवस्था में 20 कि.ग्रा. यूरिया व 187 कि.ग्रा.फास्फेट, अंतिम जुताई से पूर्व एक कि.ग्रा. पी.एस.बी. कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में भुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

उन्नतशील प्रजातियाँ

बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं। अतः बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडौल, रोग रहित प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।

बीज दर एवं बीजोपचार

देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में 25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. होना चाहिए. बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु 250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज को उपचारित करें।

अन्य शस्य क्रियाएं

बुवाई के 25-30 दिन बाद निंदाई कर घास निकालें. ताकि नमी का ह्रास न हो। इसी समय चने की खुटाई करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक शाखायें निकल सकें।

बुवाई से पूर्व खेत में भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45-60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी की कमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई की जानी चाहिए।

कटाई, गहाई व उपज

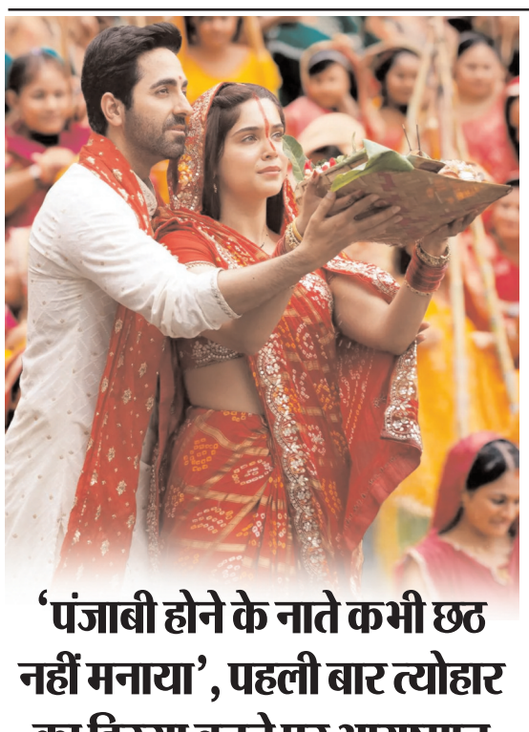
परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियाँ झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करना चाहिए। फसल की कटाई कर 2-3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात् गहाई करें। इस प्रकार 15-20 क्विं. किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। दानों को भलीभांति सुखाकर 8-10 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।



किस्म

जे.जी. 315
जवाहर 218 जे.जी. 130 जे.जी. 412
जे.जी.16 जे.जी.11 जे.जी. 74 1 आईसीसीव्ही.10(विजय)
भारती जे.जी.1
जे.जी.के.1

8 सब का सपना
हिंदी दैनिक
मनोरंजन
अमरोहा
शनिवार 14 नवम्बर 2026
www.sabkasapna.com



'पंजाबी होने के नाते कभी छठ नहीं मनाया', पहली बार त्योहार का हिस्सा बनने पर आयुष्मान खुराना ने बताए अनुभव

अभिनेता आयुष्मान खुराना के लिए इस बार छठ पूजा का अनुभव बेहद खास रहा। पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखने वाले आयुष्मान ने इससे पहले कभी छठ का त्योहार नहीं मनाया था। लेकिन सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के खास गाने 'बुलाए छठी मां' की शूटिंग के दौरान उन्हें पहली बार इस पर्व की परंपराओं और आस्था को करीब से समझने का मौका मिला। अभिनेता का कहना है कि उनके लिए यह सिर्फ एक गाने की शूटिंग नहीं, बल्कि एक ऐसी परंपरा का हिस्सा बनने का अनुभव था, जिससे वह पहले परिचित नहीं थे। आयुष्मान ने अपने अनुभव को याद करते हुए कहा, 'पंजाबी होने के नाते मैंने पहले कभी छठ पूजा नहीं मनाई थी। इसलिए पहली बार इस त्योहार को करीब से देखना और इसका हिस्सा बनना मेरे लिए खास था। छठ से जुड़ी भावनाएं और इसका महत्व देखकर मैं काफी प्रभावित हुआ। यह त्योहार जिस तरह लोगों को एक साथ जोड़ता है, वह बहुत खूबसूरत है।' उन्होंने कहा, 'छठ पूजा की हर रस्म का अपना अलग महत्व है और हर परंपरा के पीछे गहरी आस्था और श्रद्धा जुड़ी हुई है। मेरे लिए इस गाने की शूटिंग किसी सामान्य फिल्मी काम जैसी नहीं थी। इस दौरान मुझे एक नई परंपरा को समझने और उसका हिस्सा बनने का मौका मिला।' आयुष्मान ने शूटिंग से जुड़ा एक भावुक पल साझा किया। उन्होंने बताया, 'छठ पूजा के क्लाइमेक्स सीक्वेंस की शूटिंग से पहले निर्देशक सूरज बड़जात्या ने पूरी स्टारकास्ट को एक साथ बुलाया था। इस दौरान उन्होंने सभी कलाकारों को छठ पूजा से जुड़ा एक गाना सुनाया। यह पल इतना भावुक था कि वहां मौजूद सभी लोगों की आंखों में आंसू आ गए। वह पल पूरी टीम के साथ रह गया और इसके बाद छठ पूजा के सीक्वेंस को फिल्माने का अनुभव और भी खास हो गया।' उन्होंने बताया, 'सूरज बड़जात्या ने इस सीक्वेंस को जिस संवेदनशीलता के साथ तैयार किया और छठ की परंपराओं को जिस अहमियत के साथ दिखाने की कोशिश की, उससे पूरी स्टारकास्ट प्रभावित हुई। फिल्म में इस पर्व की रस्मों और उससे जुड़ी भावनाओं को वास्तविक अंदाज में दिखाने पर खास ध्यान दिया गया है।' 'बुलाए छठी मां' गाने में छठ पूजा की आस्था, भक्ति और परंपराओं को दिखाया गया है। छठ भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है, जिसे खास तौर पर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इसके अलावा दिल्ली, मुंबई, पश्चिम बंगाल और ओडिशा समेत देश के कई हिस्सों में रहने वाले लोग भी इस पर्व को पूरे उत्साह से मनाते हैं।

विवेक अग्निहोत्री फूटा गुस्सा

फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने दिवाली पर पटाखों से होने वाले संभावित खतरों पर अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि भारत की संस्कृति मासूम जिंदगियों, घरों और



संपत्ति को खतरे में डालने की इजाजत नहीं देती। निर्देशक ने अपने एक्स अकाउंट पर मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े के एक ट्वीट का जवाब दिया, जिसमें मेयर ने जिम्मेदारी के साथ दिवाली मनाने और सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे न फोड़ने के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश का पालन करने की अपील की थी। विवेक अग्निहोत्री ने अपने घर में हुए एक हादसे का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनके कुत्तों ने एक भटकते हुए रॉकेट के बारे में समय रहते सचेत कर दिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने लिखा, कल रात, एक भटकता रॉकेट हमारी बालकनी में रखे सोफे पर आ गिरा, जिससे उसमें आग लग गई। शुक्र है कि हमारे कुत्तों ने हमें आगाह कर दिया, जिससे आग-रोधी कपड़े की वजह से बड़ा हादसा टल गया।

कॉस्मेटिक सर्जरी पर श्रुति हासन का बेबाक बयान, शराब की लत पर कहा-

'आठ साल तक नहीं पी एक बूंद'

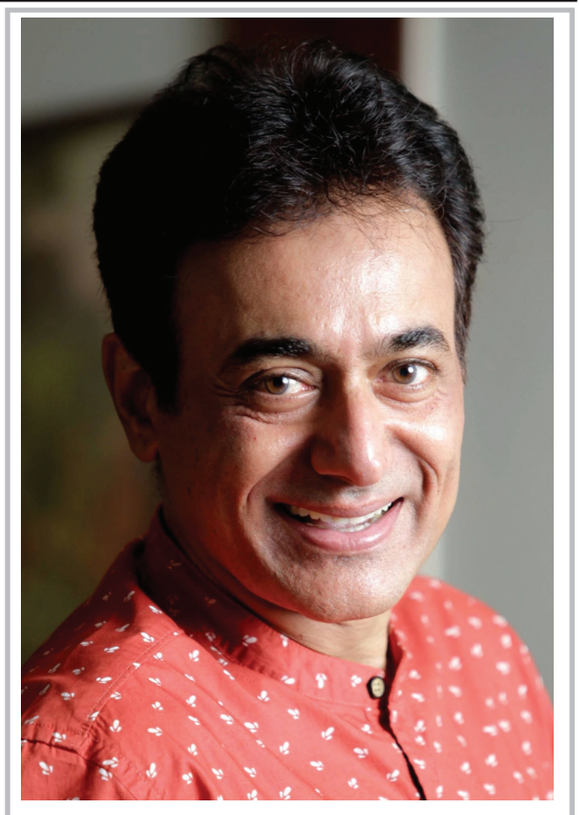


अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती। श्रुति ने कहा, 卐मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- 'मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी' ज्जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे।卐 उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है। उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं। अभिनेत्री ने कहा, 卐सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती।卐 बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, 卐मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं।卐 श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अभिनय के अलावा वह संगीत में भी रुचि रखती हैं और एक गायिका के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।

'मिर्जापुर: द मूवी' पर बोलीं रसिका दुग्गल - फैंस कंफ्यूज थे, फिर भी देखने पहुंचे थिएटर

अभिनेत्री रसिका दुग्गल इन दिनों फिल्म 'मिर्जापुर- द मूवी' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उनका कहना है कि शुरुआत में लोग परेशान थे कि मेकर्स अगले सीजन के बजाय फिल्म क्यों लेकर आ रहे हैं। रसिका दुग्गल ने बताया कि फैंस अक्सर उनसे अगले सीजन के बारे में पूछते थे, तो उन्हें समझाना पड़ता था कि इस बार टीम ने सीजन नहीं, बल्कि फिल्म बनाई है और उन्हें थिएटर में जाकर देखने के लिए कहना पड़ता था। उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने सीरीज को देखा है, उनके लिए थिएटर में अभी भी बहुत कुछ बाकी है।' रसिका दुग्गल ने फिल्म के प्राइम वीडियो पर आने वाले एक्सटेंडेड कट के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि ये उन फैंस के लिए कुछ एक्स्ट्रा है, जिन्होंने इस फ्रेंचाइजी को हमेशा सपोर्ट किया है। उन्होंने कहा, 'हमें बहुत खुशी है कि हमारे फैंस ने फिल्म को भी बहुत पसंद किया और थिएटर में जाकर इसे देखा। मुझे पूरा भरोसा है कि वो इसे दोबारा भी देखेंगे, भले ही एक्सटेंडेड कट न होता, लेकिन अब हमारे पास उन्हें देने के लिए कुछ और भी है।' रसिका की लेटेस्ट रिलीज 'मिर्जापुर- द मूवी' है। इस फिल्म में रसिका दुग्गल ने बीना त्रिपाठी (कालीन भैया की पत्नी और मुन्ना की सौतेली मां) का किरदार निभाया है। यह फिल्म 'मिर्जापुर' वेब सीरीज का कोई अगला सीजन नहीं है, बल्कि मिर्जापुर की दुनिया को बड़े पर्दे पर एक नए तरीके से पेश किया गया। इसमें एक बिल्कुल नई कहानी और कुछ नए किरदार देखने को मिले हैं, जो वेब सीरीज में नहीं दिखाए गए थे। फिल्म में मुन्ना और कालीन भैया के व्यवहार से जुड़े कई अनसुलझे सवालों के जवाब और किरदारों की बैकस्टोरी भी देखने को मिली। फिल्म अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई गई है। इसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है, जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने किया है। इसके सह-निर्माता कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी हैं। 'मिर्जापुर द मूवी' में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल और दिव्येंदु शर्मा अपने पुराने किरदारों में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जितेंद्र कुमार, सोनल चौहान और रवि किशन भी अहम भूमिका में हैं।





रामायण देखकर निराश हुए नीतीश भारद्वाज, फिल्म की तारीफ वापस लेने का किया ऐलान

टीवी धारावाहिक महाभारत में भगवान कृष्ण की भूमिका निभाकर लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता नीतीश भारद्वाज फिल्म रामायण देखकर निराश हो गए हैं। उन्होंने फिल्म को लेकर पहले की गई अपनी तारीफ वापस लेने की घोषणा की है। अभिनेता का कहना है कि रामायण केवल मनोरंजन की कहानी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में इसके पात्रों और उनके मूल चरित्र को अपनी सुविधा के अनुसार बदलकर प्रस्तुत करना उचित नहीं है। नीतीश भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रामायण भारतीय संस्कृति और चेतना में गहराई से बसी हुई है। इसके नायक, नायिका और खलनायक सभी के चरित्र इस महाकाव्य के मूल संदेश और नैतिक मूल्यों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने धर्म की रक्षा, परंपराओं को बनाए रखने और मर्यादा की स्थापना के लिए राम अवतार लिया था। ऐसे में फिल्म में रावण को असाधारण रूप से उदार, सामाजिक रूप से न्यायप्रिय और निष्पक्ष दिखाना उन्हें पसंद नहीं आया।
अभिनेता के मुताबिक, इस तरह का चित्रण रामायण के मूल नैतिक आधार को प्रभावित करता है। इससे भगवान राम के अवतार लेने के उद्देश्य और कहानी के मूल संदेश की महत्ता भी कमजोर हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि शानदार दृश्य प्रभाव और आधुनिक तकनीक किसी धार्मिक महाकाव्य की दार्शनिक गहराई और आध्यात्मिक सार का विकल्प नहीं हो सकते। नीतीश भारद्वाज ने फिल्म के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करने को लेकर भी सवाल उठाए। उनका मानना है कि देश की सांस्कृतिक विरासत पर आधारित फिल्म बनाते समय जिम्मेदारी बरतनी चाहिए। यदि किसी फिल्म में भारतीय इतिहास, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाता है, तो उसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की सांस्कृतिक पहचान के प्रतिनिधित्व के रूप में पेश करना उचित नहीं होगा।
गौरतलब है कि नीतीश भारद्वाज ने इससे पहले फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद इसकी तारीफ की थी। उस समय उन्होंने फिल्म के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की संभावना भी जताई थी। हालांकि, पूरी फिल्म देखने के बाद उनका नजरिया बदल गया और उन्होंने अपनी पुरानी प्रशंसा वापस ले ली। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी रामायण में रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, रवि दुबे, अरुण गोविल और लारा दत्ता सहित कई कलाकार नजर आ रहे हैं। फिल्म को लेकर अब अभिनेता की प्रतिक्रिया के बाद चर्चा तेज हो गई है।

रामायण का बॉक्स ऑफिस पर तूफान, पहले हफ्ते में 430 करोड़ की ओर फिल्म

दिवाली की छुट्टियों का फायदा रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' को लगातार मिल रहा है। सोमवार को अब तक का सबसे बड़ा सिंगल डे कलेक्शन करने के बाद फिल्म ने मंगलवार को भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ ढीली नहीं होने दी। छठे दिन भी फिल्म ने शानदार कमाई करते हुए मंगलवार के कलेक्शन का नया रिकॉर्ड बना दिया। खास बात यह है कि दिवाली के बाद भी दर्शकों का उत्साह कम नहीं हुआ है और फिल्म को सिनेमाघरों में देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। फिल्म के हिंदी वर्जन ने मंगलवार को 75.03 करोड़ रुपये का कारोबार किया। यह किसी मंगलवार को फिल्म का अब तक का सबसे बड़ा कलेक्शन बताया जा रहा है। सोमवार को दिवाली के मौके पर फिल्म ने 95 करोड़ रुपये की कमाई की थी। लगातार दो दिनों के इन आंकड़ों ने फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। 'रामायण' ने रिलीज के पहले दिन गुरुवार को 47 करोड़ रुपये की कमाई के साथ शुरुआत की थी। शुक्रवार को इसका कारोबार 38.25 करोड़ रुपये रहा। इसके बाद शनिवार को फिल्म ने 53 करोड़ रुपये कमाए, जबकि रविवार को कलेक्शन 37 करोड़ रुपये रहा। सोमवार को दिवाली के दिन फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल आया और इसने 95 करोड़ रुपये का कारोबार किया। मंगलवार को भी 75.03 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। इस तरह फिल्म का हिंदी वर्जन छह दिनों में कुल 345.28 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुका है। यह आंकड़ा बताता है कि फिल्म को शुरुआती वीकेंड के साथ-साथ त्योहारों के दौरान भी दर्शकों का मजबूत समर्थन मिल रहा है।





सलमान खान की मातृभूमि के ट्रेलर में दिखा दमदार एक्शन

देशभक्ति और बलिदान की कहानी लेकर आए भाईजान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आगामी फिल्म मातृभूमि- मे वॉर रेस्ट इन पीस का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म में देशभक्ति, सैनिकों के बलिदान और युद्ध के मानवीय पहलुओं को दिखाया गया है। ट्रेलर में सलमान खान एक ऐसे सैनिक की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो देश की रक्षा के लिए हर चुनौती का सामना करने को तैयार है। फिल्म में एक्शन के साथ भावनात्मक दृश्यों को भी प्रमुखता दी गई है। ट्रेलर की शुरुआत दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्रों में शामिल एक बर्फीले इलाके से होती है। यहां हिमस्खलन के खतरनाक दृश्य दिखाई देते हैं। इसी बीच चीनी सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा के भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की तैयारी करते नजर आते हैं। इसके बाद सलमान खान की दमदार एंट्री होती है। वह एक अनुभवी और बहादुर सैनिक के किरदार में दिखाई देते हैं, जिसमें ताकत के साथ समझदारी भी नजर आती है।
ट्रेलर में सलमान की निजी जिंदगी की झलक भी दिखाई गई है। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह फिल्म में उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। वह अपने पति को सैन्य मिशन पर भेजे जाने को लेकर चिंतित नजर आती हैं। इस दौरान सलमान उन्हें समझाते हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाला आमना-सामना हमेशा गोलीबारी वाली लड़ाई नहीं होता। दोनों देशों के बीच हुए समझौतों का उद्देश्य सैन्य तनाव को बड़े युद्ध में बदलने से रोकना है। फिल्म में सैनिकों की जिंदगी और उनके परिवारों की भावनाओं को भी दिखाया गया है। देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के लिए ड्यूटी सबसे पहले होती है, लेकिन इसके साथ ही उनके परिवारों को भी कई तरह के भावनात्मक संघर्षों से गुजरना पड़ता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सैनिकों के लिए परिवार के साथ बिताया गया हर पल कितना कीमती होता है।
सलमान खान अपने एक्शन अवतार में प्रभावशाली नजर आ रहे हैं। वहीं चित्रांगदा सिंह के साथ उनकी केमिस्ट्री कहानी को भावनात्मक मजबूती देती है। फिल्म की खूबसूरत लोकेशन, सिनेमैटोग्राफी और संगीत भी दर्शकों का ध्यान खींचते हैं। फिल्म का संदेश है कि युद्ध का परिणाम कभी सुखद नहीं होता। इसमें दोनों पक्षों को जान-माल का नुकसान उठाना पड़ता है और इसका असर केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सैनिकों के परिवारों को भी लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है और इसका निर्माण सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले हुआ है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।